Follow us on :
bharatbhaskar.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
भारत भास्कर
हर खबर का असर
डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023
● वर्ष : 15 ● अंक-217 ● रायपुर, मंगलवार 05 सितम्बर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
भाद्रपद कृष्ण पक्ष
पक्ष-षष्ठी

सुविचार

यदि आपको कोई खुद से छोटा नजर आ रहा है तो या तो आप दूर से देख रहें है या गुरुर से देख रहे है।
-स्वदेश तिवारी

3
कलेक्टर ने सुनी जनसामान्य की मांग एवं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

5
क्षेत्र में एक बार फिर देखा गया बाघ, लोगों ने कहा - द टाइगर इज़ बैक

7
ई-जनचौपाल में 68 आवेदन प्राप्त, निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश

संक्षिप्त समाचार

किशोर व किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। राजधानी के थाना मोहनलालगंज क्षेत्र में किशोर ने और आशियाना में किशोरी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। किशोरी स्नातक की पढ़ाई कर रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। दोनों के खुदकुशी करने का काम पता नहीं चल पाया है। पहली घटना थाना मोहनलालगंज क्षेत्र से है। सीएचसी मोहनलालगंज से थाना स्थानीय पर एक मेमो इस आशय का भेजा गया कि शनिवार को समय करीब 22.50 बजे एक व्यक्ति करन उम्र करीब 17 वर्ष पुत्र राकेश निवासी-ग्राम शिवधरा थाना मोहनलालगंज को इस चिकित्सालय में मृत अवस्था में लाया गया। इस सूचना पर एसआई अजय कुमार चौरसिया ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। जिनके द्वारा बताया गया कि मृतक करन दो सितबंर की शाम को अपनी घर में टीनशेड के कमरे में बांस से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा लिया। जिसे परिजनों द्वारा इलाज के लिए सीएचसी मोहनलालगंज ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के पिता राज मिस्त्री का काम करते हैं। दूसरी घटना थाना आशियाना क्षेत्र की है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

लखनऊ। राजधानी के थाना बीबीडी और थाना गोमतीनगर क्षेत्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया। पहला हादसा थाना बीबीडी क्षेत्र में हुआ। वादी नन्कऊ पुत्र स्व. विश्राम पाल निवासी ग्राम अनौरा कला ने थाना बीबीडी पर सूचना दिया कि दो सितंबर को समय करीब 16.45 बजे वादी का छोटा भाई मुकेश पाल उम्र करीब 25 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल स्प्लेण्डर से किसान पथ होकर पपनामऊ की तरफ से गोयल कालेज की तरफ आ रहा था।

प्रज्ञान रोवर को स्लीप मोड में डाला

चंद्रयान-3 पहला मिशन पूरा कर सोने गया रोवर प्रज्ञान...

■ 23 सितंबर, 2023 को अपने अगले मिशन की ओर बढ़ेगा प्रज्ञान रोवर

नई दिल्ली । एजेंसी

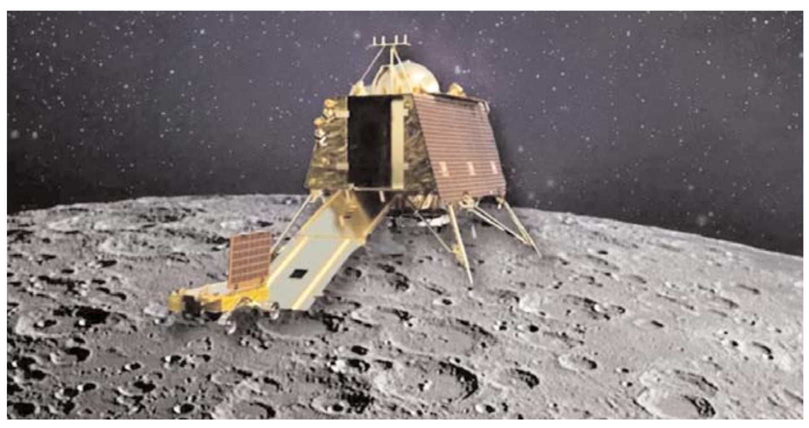

चंद्रयान-3 के रोवर 'प्रज्ञान' ने 10 दिन में चंद्रमा की सतह पर अपना पहला टास्क पूरा कर लिया है और अब यह स्लीप मोड अवस्था में चला गया है। दरअसल, चांद पर अब रात हो गई है और ऐसे में रोवर प्रज्ञान का काम करना नामुमकिन है, क्योंकि वहां का तापमान लगभग माइनस 200 डिग्री के नीचे जा चुका है। दरअसल, प्रज्ञान रोवर चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा गया है ऐसे में जब सूरज दोबारा इस हिस्से पर उगेगा, तो शायक रोवर 'प्रज्ञान' अपनी नींद से जाग जाए और अपना काम एक बार फिर शुरू कर दे। हालांकि, स्लीप मोड में जाने से पहले प्रज्ञान ने इसरो को कई बड़ी जानकारियां दी हैं। लगातार मिल रहे अपडेट से इसरो के वैज्ञानिकों को काफी चीजों का पता चला है, जो उनके अध्ययन का एक हिस्सा है। इसरो ने लगातार सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर चंद्रयान-3 मिशन का अपडेट शेयर की है। इसी कड़ी में शनिवार रात भी इसरो ने बताया कि प्रज्ञान को स्लिप मोड में डाला गया है। गौरतलब हो कि चांद पर एक रात पृथ्वी के 14 दिन के बराबर होता है, ऐसे में कहा जा सकता है कि अब प्रज्ञान 14 दिन बाद उठेगा और अपने आगे के टास्क को पूरा करेगा। फिलहाल, इस खबर में हम आपको बताएंगे कि आखिर इन 10 दिनों में चंद्रयान-3 को लेकर क्या-क्या अपडेट आए हैं और प्रज्ञान ने अब तक कितनी जानकारियां दी हैं। चंद्रयान-3 मिशन 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इसके बाद से लगातार इसरो ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट शेयर करते हुए सभी को इसके अपडेट दिए हैं। इसरो ने चंद्रयान-3 को 05 अगस्त, 2023 को चांद के ऑर्बिट में पहुंचा दिया था।

अब तक रोवर ने क्या-क्या किया

इसरो के मुताबिक, प्रज्ञान की अब तक की सबसे बड़ी खोज चांद पर पाई गई सल्फर की खोज है। दरअसल, चांद पर सिलिकॉन, कैल्शियम, एल्यूमीनियम और आयरन जैसे कई महत्वपूर्ण तत्वों की पहचान हुई है। रोवर 'प्रज्ञान' मे लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप उपकरण लगाया गया था, जिसने एक नहीं, बल्कि दो बार सल्फर की पुष्टि की है। चांद की सतह पर प्लाज्मा की भी खोज की गई है। इसमें चंद्रयान-3 लैंडर के ऊपरी डेक से जुड़े 1-मीटर बूम पर 5 सेमी धातु गोलाकार जांच लगाई गई थी, जिसके बाद प्लाज्मा की पुष्टि हुई है। हालांकि, इसका घनत्व काफी कम है। इसके अलावा, चांद पर तापमान की जानकारी भी इकट्ठा की गई। जो कि अनुमान लगाए गए तापमान से काफी अलग है। दरअसल, चांद के अलग-अलग गहराई और गड्ढे के मुताबिक तापमान में बदलाव होते रहे हैं। इसके साथ ही, चांद की मिट्टी की जानकारी भी इकट्ठा की गई है।

रायपुर में दो दिन चली मैराथन बैठक के बाद भी फैसला नहीं

कांग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा 8 सितंबर को-कुमारी सैलजा

- कांग्रेस पार्टी और राहुल जी पर छत्तीसगढ़ के लोगों ने विशेष भरोसा रखा है
- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का फिर से छत्तीसगढ़ दौरा होगा। वे आएंगे और पार्टी व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की चुनाव समिति और पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक सोमवार शाम खत्म हो गई। रायपुर में रविवार से चल रही मैराथन बैठक के बावजूद अभी तक प्रत्याशियों पर फैसला नहीं हो सका है। बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि, सीईसी की बैठक के बाद 8 सितंबर को प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। सीएम हाउस में सोमवार को पहले कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक हुई और उसके बाद पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की। इसमें सीएम भूपेश और प्रभारी सैलजा सहित पीसीसी चीफ दीपक बैज, डिप्टी सीएम सिंहदेव और स्पीकर चरणदास महंत व सभी सदस्य मौजूद रहे। कुमारी सैलजा ने कहा कि, बैठक में सभी नेताओं ने अपने सुझाव रखे थे। अब 8 सितंबर को स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक होगी। दोनों ही बैठक में प्रत्याशियों की सूची पर भी मंथन हुआ। हालांकि प्रत्याशियों के नामों पर फैसला नहीं हो सका। कांग्रेस की चुनाव समिति की रविवार को भी देर रात तक बैठक चली थी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी सैलजा ने कहा था कि, बैठक में अच्छा फीडबैक मिला है। सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। लोगों का उत्साह नजर आ रहा है। कांग्रेस पार्टी और राहुल जी पर छत्तीसगढ़ के लोगों ने विशेष भरोसा रखा है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का फिर से छत्तीसगढ़ दौरा होगा। वे आएंगे और पार्टी व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। प्रदेश का युवा, गरीब या किसान और मजदूर या आम आदमी हो, सभी अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। 5 साल के विकास में उन्हें हिस्सेदारी मिली है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राजनांदगांव दौरे पर आ रहे हैं। मोदी जी भी उनके सामने जवाब दे नहीं पाते। सभी एक साथ मिलकर यह चुनाव लड़ेंगे। भारत जोड़ो यात्रा के 7 सितंबर को 1 साल पूरे हो रहे हैं। इसे देखते हुए पूरे प्रदेश में कार्यक्रम किया जाएगा। राहुल गांधी जी ने पूरे देश को एक साथ जोड़ा है। नफरत के माहौल में मोहब्बत की दुकान खोली है। राहुल जी के साथ पूरे देश के युवा, बुजुर्ग और बच्चे उत्साह के साथ जुड़ रहे हैं, क्योंकि वे हर वर्ग के लोगों की बात सुनते हैं।

पीएम मोदी ने एक भी दिन छुट्टी नहीं ली

मोदी 2014 में संभाली थी सत्ता तबसे लगातार काम कर रहे है...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद से पिछले 9 सालों में एक भी दिन छुट्टी नहीं ली है। सरकार ने सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी के जवाब में यह बात कही है। जानकारी में कहा है,पीएम हर समय ड्यूटी पर रहते हैं। पुणे के आरटीआई एक्टिविस्ट प्रफुल सारदा ने पीएमओ में आरटीआई दायर कर यह जानकारी मांगी थी। आरटीआई का जवाब पीएमओ के अवर सचिव परवेश कुमार ने दिया। वे आरटीआई प्रश्नों का जवाब देने वाले संबंधित मंत्रालय के सेंट्र्ल पब्लिक इनफॉर्मेशन ऑफिसर हैं। जवाब को असम के सीएम हेमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर शेयर किया है। 2016 में इसी तरह की एक आरटीआई का भी ऐसा ही जवाब मिला था। उस समय एक आरटीआई आवेदक ने देश के प्रधानमंत्री और कैबिनेट सचिवालय से छुट्टी नियमों और प्रक्रियाओं की एक प्रति मांगी थी। पीएमओ ने जवाब में कहा था प्रधानमंत्री को हर समय ड्यूटी पर कहा जा सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में बताया था कि पीएम कैसे काम करते हैं। बैंकॉक में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा था, मुझे लगता है कि इस समय पीएम मोदी जैसा व्यक्ति होना देश का बहुत बड़ा सौभाग्य है। और मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि वह आज के पीएम हैं और मैं उनके मंत्रिमंडल का सदस्य हूं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि जब आपके सामने सदी में एक बार होने वाली स्वास्थ्य चुनौती (कोरोना) होती है, तो केवल वही व्यक्ति जो इतना जमीन से जुड़ा हो, कह सकता है कि ठीक है।

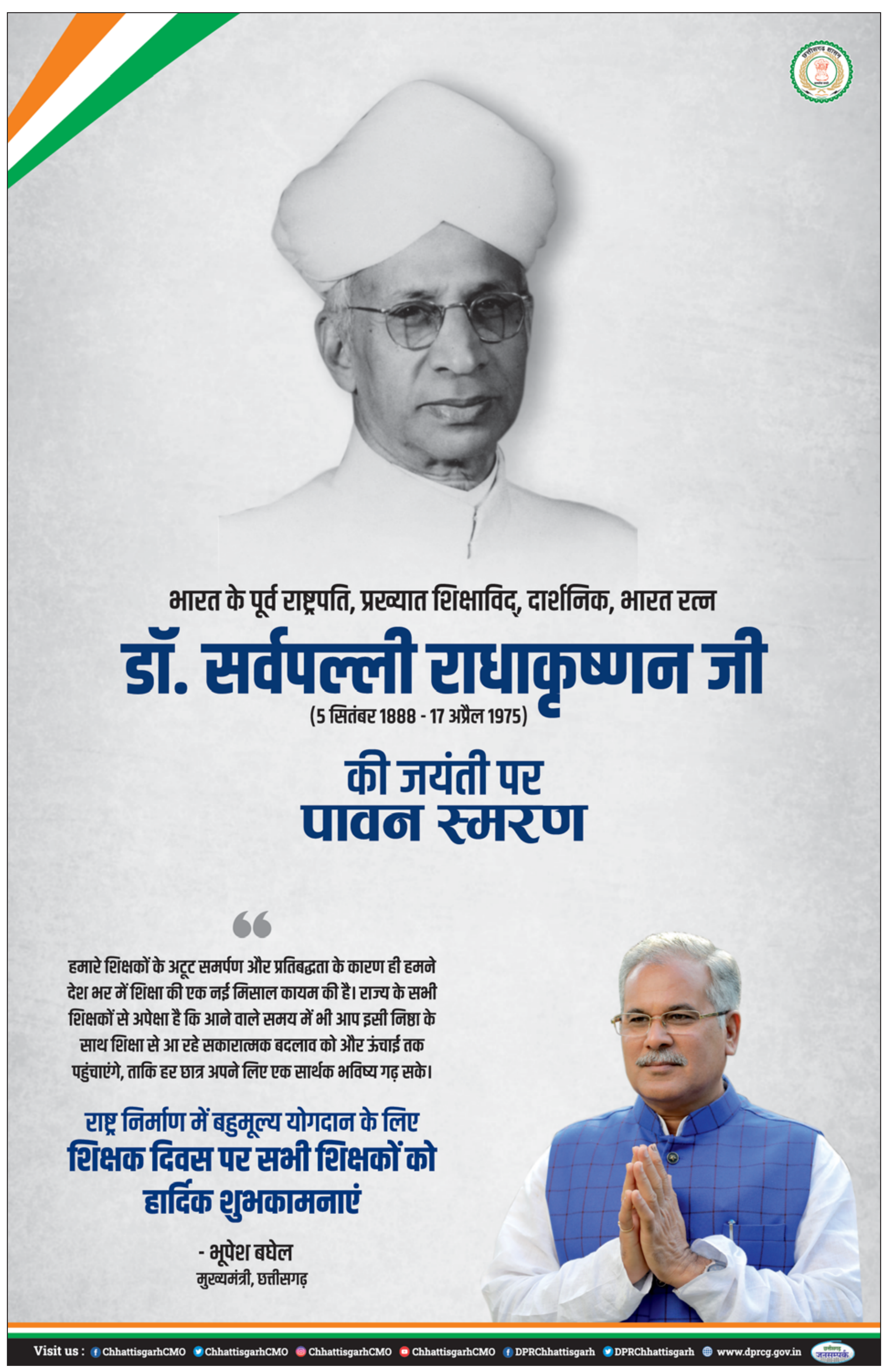

घरवालों के फोन जब्त-जांच जारी

हॉस्पिटल संचालक एआर दल्ला के यहां ईडी रेड सीआरपीएफ जवानों के साथ घर में घुसी टीम..

■ हालांकि इस जांच की देर रात तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कैश और जेवर मिले हैं

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लगातार ईडी की दबिश देखने को मिल रही है। प्रदेश में बड़े अधिकारियों और कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी रेड मार रही है। ईडी की टीम ने हॉस्पिटल संचालक के यहां छापा मारा है। देवेंद्रनगर स्थित जुबेस्ता अस्पताल और उसके संचालक डॉ. एआर दल्ला के घर पर दबिश दी। सीआरपीएफ फोर्स के साथ ईडी की टीम घर में घुसी और परिवार के सभी सदस्यों के फोन जब्त कर लिए। हालांकि इस जांच की देर रात तक अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान कैश और जेवर मिले हैं। इसके अलावा कई दस्तावेज भी ईडी की टीम ने जब्त किए हैं। डॉ दल्ला के निवास के सामने ही उनका अस्पताल भी संचालित है। मिली जानकारी के अनुसार सट्टेबाजी में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला की जांच के दौरान ईडी को डॉ. दल्ला का लिंक मिला है। इसके बाद टीम जांच के लिए अस्पताल और घर पहुंची है। उनके हवाला कनेक्शन की भी जांच जारी है। उनके घर पर पूछताछ की जा रही है। जांच किस सिलसिले में हो रही है यह साफ नहीं है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में इन दिनों आधा दर्जन अलग-अलग मामलों में ईडी की जांच और छापामार कार्रवाई चल रही है। यह किस सिलसिले में हो रही है यह साफ नहीं है, क्योंकि छत्तीसगढ़ में इन दिनों आधा दर्जन अलग-अलग मामलों में ईडी की जांच और छापामार कार्रवाई चल रही है। डॉ दल्ला एक वक्त राज्य सिकलसेल संस्थान में भी सक्रिय थे डीएमएफ की राशि सिकलसेल संस्थान में भी उपयोग की गई है। श्वष्ठ इन दिनों डीएमएफ घोटाले की भी जांच कर रही है। दूसरी ओर, रविवार रात ईडी की टीम दुर्ग और रायगढ़ भी पहुंची है। जहां भी दो जगहों पर छापा मारा गया है। इन जगहों से दस्तावेज से भी जब्त किए जानें की खबर मिली हैं। इस कार्रवाई से पहले ईडी ने डीएमएफ की जांच शुरू की है। जिसमें रायपुर जेल में बंद आईएएस रानू साहू से लंबी पूछताछ के बाद ईडी की टीम शुक्रवार-शनिवार को कोरबा पहुंची। वहां कलेक्टोरेट की अलग-अलग शाखा में जांच की गई।

शरीर को मजबूती के साथ ही और भी शानदार फायदे देता है हलासन

योग, स्वस्थ रहने का सबसे सरल और सटीक है इसके नियमित अभ्यास से न केवल आप स्वस्थ और सुखी रहते हैं, बल्कि आपका इम्युनिटी सिस्टम भी मजबूत होता है. इसलिए आज हम आपके लिए लेकर आए है हलासन के फायदे. हलासन का नियमित सेवन करने से वजन कम होता है, शरीर को मजबूती मिलती है इसके साथ ही इसके कई और भी शानदार फायदे हैं.

हलासन क्या है ?

हलासन दो शब्द 'हल' और 'आसन' से मिलकर बना है.हल अर्थात जमीन को खोदने वाला कृषि यंत्र और आसन बैठने की मुद्रा.इस योग को करने में शरीर की मुद्रा हल की तरह होता है, जिसे अंग्रेजी में 'प्लो पोज' कहते है.इस योग के कई फायदे हैं.

हलासन करने से पहले जरूरी बातें

- बेहतर होगा कि हलासन का अभ्यास सुबह के वक्त और खाली पेट किया जाए.
- किसी कारण से आप सुबह इसे नहीं कर पाते हैं तो हलासन का अभ्यास शाम को भी किया जा सकता है.
- ध्यान रहे कि आसन के अभ्यास से पहले शौच जरूर कर लें और भोजन भी अभ्यास से 4-6 घंटे किया गया हो तो बेहतर होगा.

हलासन के अभ्यास में सावधानियां

- इसका अभ्यास किसी योग्य योग ट्रेनर की देखरेख में ही शुरू करें.
- शुरुआत में आप अपनी गर्दन पर ज्यादा खिंचाव महसूस कर सकते हैं.
- कंधों का दबाव कान पर बनाने की कोशिश करें, इससे कनपटी और गला मुलायम बनते हैं.
- डायरिया या गर्दन में चोट की समस्या है तो इसका अभ्यास न करें.
- अगर आप हाई बीपी या अस्थमा के मरीज हैं तो ये आसन न करें.

हलासन करने का सरल तरीका

- सबसे पहले स्वच्छ वातावरण और समतल स्थान पर मैट अथवा दरी बिछा लें.
- अब इस पर पीठ के बल लेट जाएं और अपने दोनों हाथों को मैट पर रखें.
- अब धीरे धीरे अपने पैरों को एक सीध मे ऊपर उठाएं.
- फिर कमर के सहारे अपने सिर के पीछे ले जाएं.
- इसे तब तक सिर के पीछे ले जाएं, जब तक आपके पैर जमीन को न छू लें.
- अब अपनी क्षमता के अनुसार इस मुद्रा में रहें.
- फिर अपनी नार्मल पोजीशन में आ जाएंइस योग को रोजाना 5 बार जरूर करें.

हलासन करने के फायदे

हलासन का अभ्यास स्ट्रेस और थकान से निपटने में भी मदद करता है. इसके नियमित अभ्यास से दिमाग को शांति मिलती है.इस आसन से रीढ़ की हड्डी और कंधों को अच्छा खिंचाव मिलता है.ये थायरॉयड ग्रंथि से जुडी समस्याओं को भी खत्म करने में मदद करता है.यह पाचन तंत्र के अंगों की मसाज करता है और पाचन सुधारने में मदद करता हैहलासन मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है और वजन घटाने में मदद करता है.डायबिटीज के मरीजो के लिए ये बेस्ट आसन है, क्योंकि ये शुगर लेवल को कंट्रोल करता हैये रीढ़ की हड्डी मे लचीलापन बढ़ाता और कमर दर्द में आराम देता है.

बायपोलर डिसऑर्डर और डिप्रेशन के जोखिम कम करने में मददगार है मशरूम

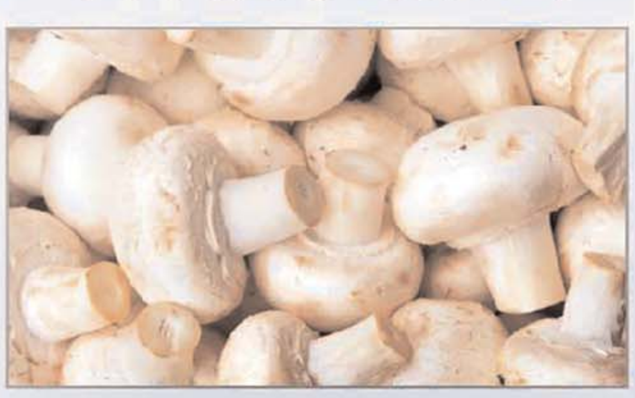

मशरूम खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है.इसे लोग मटन की तरह बनाकर खाते हैं. मशरूम सिर्फ खाने मे ही स्वादिष्ट नहीं होता बल्कि कई बीमारियों के इलाज में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है.खबर के अनुसार मशरूम के सेवन से डिप्रेशन यानी अवसाद से पीड़ित होने की आशंका बहुत कम हो जाती है.पेन स्टेट कॉलेज ऑफ मेडिसीन के शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है.शोधकर्ताओं ने 2400 लोगों के खान-पान और हेल्थ डाटा के विश्लेषण के आधार पर यह साबित किया है कि जो लोग मशरूम का सेवन करते है, उनमे डिप्रेशन जैसी समस्याओं के लक्षण बहुत कम दिखते हैं.लगभग एक दशक के शोध में पाया गया है कि जिन लोगों के खान-पान में मशरूम शामिल नहीं था, उन लोगों को काफी डिप्रेशन झेलना पड़ा.

प्रमुख शोधकर्ता डॉ जोशुआ मस्कट ने बताया कि मशरूम खाने से कई और तरह के स्वास्थ्य फायदे हैं. उन्होंने बताया कि मशरूम मे एंटी इफ्लमेटरी एमिनो एसिड पाया जाता है इसी कारण मशरूम हेल्थ के लिए फायदेमंद है.शोधकर्ता डॉ ड्जीब्रिल बाने बताया कि मशरूम में एर्गोथियोनिन पाया जाता है.यह ऐसा एंटी-इफ्लामेटरी तत्व है जिसे मनुष्य नहीं बना सकता है.यानी मनुष्य के शरीर में यह एमिनो एसिड नहीं बनता यह मशरूम में ही पाया जाता है. एर्गोथियोनिन का उच्च स्तर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मददगार है.

इससे पहले के अध्ययन में भी पाया गया था कि मशरूम का सेवन सिजोफ्रेनिया के जोखिम को कम करता है.इसके अलावा बायपोलर डिसऑर्डर और डिप्रेशन के जोखिम को भी कम करने मे मददगार है. सफेद मशरूम में अतिरिक्त पोटाशियम पाया जाता है, जो एंजाइटी को दूर करता है.हालांकि शोधकर्ताओं ने यह नहीं बताया कि डिप्रेशन से बचने के लिए किस तरह का मशरूम खाना चाहिए.एक अध्ययन में पाया गया था कि मशरूम में सिलोसाइबिन नाम का कंपाउड पाया जाता है, जो ब्रेन में न्यूरॉन के संपर्क की सक्रियता को 10 प्रतिशत तक बढ़ा देता है.मशरूम में मौजूद सेलेनिमय और एर्गोथियोनिन नामक तत्व इम्युन्टिी को बढ़ाते हैं. इसके अलावा मशरूम में विटामिन ए, बी और सी भी भरपूर मात्रा में होता है, जिससे बीमारियो से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है.मशरूम में प्रचूर मात्रा मे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हानिकारक फ्री रेडिकल्स से शरीर को प्रोटेक्ट करते हैं.फ्री रेडिकल्स कैंसर का सबसे बड़ा कारण बनते हैं.

डाइट में शामिल करें बेबी कॉर्न सेहत के लिए है फायदेमंद

बाजार में कई तरह की सब्जियां और फल मिलते हैं, जो हर तरह से सेहत के लिए फायदेमंद है।ऐसी फल सब्जियों को रोजाना डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है।हालांकि हर बार हमें अच्छी सब्जियों को खाने का मन नहीं करता है।कभी-कभी ऐसे भी दिन होते हैं जब हमें कुछ टेस्टी और बाहर का जंक फूड खाने का मन करता है।ऐसे में आप अपने बच्चों के लिए घर में बेबी कॉर्न के इस्तेमाल से कुछ टेस्टी बना सकती है। बेबी कॉर्न बड़ों और बच्चों दोनों को पसंद आती हैं।सबसे जरूरी बात यह है कि बेबी कॉर्न उस खाने के राजा के रूप में जाने जाते हैं जो बच्चे पसंद करते हैं, जैसे कि पिज्जा, पास्ता, नूडल्स। आइए, जानते है बेबी कॉर्न के फायदों के बारे में।

आंखों की रोशनी में सुधार

इन दिनों लोग स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं।तो हेल्दी खाना खाकर उनकी देखभाल करना और भी जरूरी हो गया है।बेबी कॉर्न कैरोटेनॉयडस या टेट्राटेरपीनोइड्स के साथ आता है, ऐसे तत्व जो आपकी आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।कैरोटेनॉयड्स मोतियाबिंद के खतरे को कम करने में भी बहुत अच्छा है।

ब्लड शुगर बैलेंस

नियंत्रित ग्लूकोज स्तर के साथ-साथ शरीर का स्थिर ब्लड प्रेशर होना बहुत जरूरी है। किसी भी प्रकार से बढ़नी और घटना स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है।चीजों को नियंत्रण में रखने के लिए, कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जैसे कि बेबी कॉर्न, जिसका जीआई रेट उस नियमित मकई से कम है जिसे हम भारतीय खाना पसंद करते हैं।

हेल्दी प्रेग्नेंसी

किसी भी महिला के जीवन के सबसे बड़े पलों में से एक मां बनना होता है।लेकिन हम सब जानते है कि ये प्रक्रिया शरीर पर एक टोल लेती है। अपने डॉक्टर से सलाह लेने के बाद, आप बेबी कॉर्न खा सकती हैं, क्योंकि वे स्वादिष्ट और फोलिक एसिड से भरपूर होते हैं।स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार, अजन्मे बच्चे मे असामान्यताओं को रोकने के लिए यह तत्व जरूरी हैं।

स्किन क्वालिटी

स्किन को अच्छा दिखाने के लिए स्वस्थ खाना जरूरी है।ऐसी चीजें खाएं जो विटामिन सी से भरपूर होते हैं, जैसे कि बेबी कॉर्न। पोषक तत्व त्वचा की कोशिकाओं को फिर से जीवंत करने में सहायता करते हैं, साथ ही स्किन को सोफ्ट और सपल बनाते हैं।

किसी औषधि से कम नहीं शंखपुष्पी

- शंखपुष्पी एक पादक है।शंख के समान आकृति वाले श्वेत पुष्प होने से इसे शंखपुष्पी कहते है।शंखपुष्पी दूध के समान सफेद फूल है।यह सारे भारत में पथरीली भूमि में जंगली रूप में पायी जाती है।
- इनमें से श्वेत पुष्पों वाली शंखपुष्पी ही औषधि मानी गई है।आयुर्वेद में हर तरह के रोगों व विकारों का रामबाण इलाज होने के वजह से लोहा पूरी दुनिया व ऐलोपैथिक डॉक्टरों ने भी माना है।
- आयुर्वेद की नजर में शंखपुष्पी स्मरणशक्ति को बढ़ाकर मानसिक रोगों व मानसिक दौर्बल्यता को नष्ट करती है।
- इसे लैटिन में प्लेडेरा डेकूसेटा के नाम से जाना जाता है। अगर आपमें दिमागी कमजोरी, अनिद्रा, अपस्मार रोग, सुजाक, मानिकस रोग, भ्रम जैसी शिकायत है तो इसका महीन पिसा हुआ चूर्ण 1-1 चम्मच सुबह-शाम मीठे दूध के साथ या मिश्री की चाशनी के साथ सेवन करने से इन सब रोगों से छुटकारा मिलता है।
- फ्रेश शंखपुष्पी के पंचांग जड, फल, फूल, तना, पत्ते का रस 4 चम्मच शहद के साथ सुबह-शाम रोजाना सेवन करने से कुछ महीनों में मिर्गी का रोग दूर हो जाता है।

सिर्फ बालों के लिए नहीं है नारियल तेल

आमतौर पर नारियल तेल को बालों के लिए उपयोगी माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तेल के और भी कई गुणकारी प्रयोग हैं.चलिए जानते हैं.

- रूखे और फटे होंठों पर सुबह शाम नारियल तेल लगाएं।रूखेपन की समस्या खत्म हो जाएगी।
- फटी एड़ियों के लिए रात में सोने से पहले पेट्रोलियम जैली के साथ नारियल तेल की मालिश करें।सुबह गुनगुने पानी से पैर धो लें।
- धब्बों की समस्या से परेशान हैं तो आधा चम्मच नारियल तेल में आधे नींबू का रस निचोड़े और चेहरे और कोहनी पर रगड़े, फिर गुनगुने पानी से धो लें।
- आंखों का मेकअप साफ करने के लिए कॉटन बॉल पर थोड़ा सा नारियल तेल डाले और हल्के हाथों से आंखों को साफ करें।
- नारियल के तेल की नहाने से पहले या फिर नहाने के बाद भी मालिश की जा सकती है।इससे त्वचा मुलायम और चमकदार रहेगी।
- बदन पर किसी भी तरह की खुजली हो नारियल तेल में कपूर मिलाकर त्वचा पर लगाएं और फायदा खुद देखें।

डिमेंशिया और अल्जाइमर्स रोग से बचा सकती हैं आयुर्वेदिक हर्ब्स

अल्जाइमर रोग में याद्दाश्त धीरे-धीरे खोने लगती है। मगर वैज्ञानिक मानते हैं कि आयुर्वेद में मौजूद कुछ हर्ब्स संज्ञानात्मक हानि को रोक सकती हैं। आप जानकर हैरान होंगी, कि आयुर्वेद की ये महान जड़ी-बूटियां आपकी रसोई में ही मौजूद हैं। आइए जानते हैं इन आयुर्वेदिक हर्ब्स के बारे में जो आपकी मेमोरी बूस्ट कर डिमेंशिया और अल्जाइमर्स रोग से बचा सकती हैं।

क्या कहते हैं शोध

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन के अनुसार, कई आयुर्वेदिक हर्ब्स या जड़ी-बूटियां अल्जाइमर रोग और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों को रोक सकती हैं। आपकी रसोई में मौजूद ये हर्ब्स आयुर्वेदिक और वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित हैं, जिनका सेवन नियमित तौर पर आहार में शामिल करके किया जा सकता है।

दालचीनी

दालचीनी ऐसा मसाला है, जो हर घर में मौजूद होता है।वृद्ध वयस्कों और प्री-डायबिटिक लोगों के लिए दालचीनी फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में ब्लड सर्कुलेशन सुधारने की क्षमता होती है, जो मस्तिष्क की कार्य प्रणाली को सही रखता है।यह कोलेस्ट्रॉल, फास्टिंग ग्लूकोज और एचबीए1सी के स्तर को कम करने और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने के लिए भी दिखाया गई है।

हल्दी

2022 में प्रकाशित एक समीक्षा के अनुसार, प्रारंभिक शोध से पता चलता है कि हल्दी मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकती है और बीटा-एमिलॉइड (एक प्रोटीन टुकड़ा) के मस्तिष्क को साफ करके अल्जाइमर रोग को दूर कर सकती है।बीटा-एमिलॉइड के निर्माण को अल्जाइमर से संबंधित मस्तिष्क पट्टिका बनाने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, हल्दी मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं के टूटने को रोककर मस्तिष्क के स्वास्थ्य की रक्षा कर सकती है।

केसर

एक अध्ययन में पाया गया कि केसर अल्जाइमर रोग से ग्रसित लोगों में याददाश्त में सुधार कर सकता है।इसके अलावा, ईरान में तेहरान विश्वविद्यालय में कई अध्ययनों में पाया गया कि केसर हल्के से मध्यम अवसाद वाले लोगों के इलाज में अवसादरोधी दवा के रूप में प्रभावी था।अवसाद स्मृति समस्याओं और भूलने की बीमारी से जुड़ा है।

थाइम

यह स्वादिष्ट जड़ी बूटी मस्तिष्क में न्यूरॉन्स को समय से पहले बूढ़ा होने से बचाने में मदद करती है।यह मस्तिष्क में सक्रिय ओमेगा-3 डीएचए (डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड) की मात्रा को भी बढ़ाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड स्मृति, फंक्शन और मूड को बढ़ा सकता है और मस्तिष्क शोष को कम कर सकता है।

अश्वगंधा

2015 मे अल्जाइमर रोग की पत्रिका बताती है कि अश्वगंधा ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके मस्तिष्क को लाभ पहुंचा सकता है।यह एक कारक जो अल्जाइमर रोग के विकास और प्रगति में योगदान कर सकता है।इतना ही नहीं, यह मस्तिष्क को मजबूती प्रदान करता है, जो वृद्धावस्था में बहुत जरूरी है।

सेहत के लिए हानिकारक है लगातार आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल

आज के समय में अधिकतर लोग अपनी डाइट से शुगर बाहर करने की कोशिश करते हैं।ऐसे में अपने टेस्ट बड का ख्याल रखने के लिए वह आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करते हैं।चूंकि मार्केट में मिलने वाले इन आर्टिफिशियल स्वीटनर का कैलोरी काउंट काफी कम होता है, इसलिए उन्हें यह एक हेल्दी ऑप्शन नजर आता है।लेकिन लगातार आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल सेहत के लिए हानिकारक होता है।कछ रिपोर्ट्स के अनुसार, आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करने से आपको डायबिटीज होने तक का खतरा बढ़ जाता है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर क्या है?

आर्टिफिशियल स्वीटनर के सेहत पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बात करने से पहले आपको इनके बारे में विस्तारपूर्वक जानना चाहिए।आमतौर पर, लोग इन्हें शुगर सब्सिट्यूट के रूप में इस्तेमाल करते हैं और यह एक तरह के सिंथेटिक शुगर है।इन्हें केमिकली प्रोड्यूस किया जाता है और इनमें स्वीटनेस सामान्य चीनी की अपेक्षा कई अधिक होती है।आज के समय में इन्हें सिर्फ केमिकल्स ही नहीं, बल्कि नेचुरल प्रोडक्ट्स की मदद से भी इन्हें तैयार किया जाता है।

सेहत पर इस तरह डालते हैं असर

यह सच है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर में कैलोरी काउंट कम होता है, लेकिन यह पूरी तरह से हेल्दी हैं।यह सच नहीं है।दरअसल, आर्टिफिशियल स्वीटनर में सैकरीन और सुक्रालोज पाया जाता है।यह आपको मिठास का अहसास करवाते हैं।लेकिन यह व्यस्क में ग्लूकोज टोलरेंस को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में लंबे समय तक इनका इस्तेमाल करना सेहत पर विपरीत असर डाल सकता है।

क्या हैं विकल्प

अगर आप अपने कैलोरी काउंट को भी कम करना चाहती हैं और शुगर को अपनी डाइट से दूर रखना चाहती हैं।ऐसे में जरूरी है कि आप आर्टिफिशियल स्वीटनर के स्थान पर कछ हेल्दी ऑप्शन को चुनें।मसलन, आप अपनी रेग्युलर चीनी को शहद या गुड़ के साथ स्विच कर सकते हैं।वहीं, अगर इन दोनों में से किसी एक को चुनना हो तो आप शहद को प्राथमिकता दे।चूंकि, गुड़ को गन्ने के रस से तैयार किया जाता है, इसलिए यह हेल्दी होने के बावजूद भी शहद के मुकाबले बहुत अधिक अच्छा ऑप्शन नहीं है।

सार-समाचार

आईटीआई रामानुजनगर में किया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रामानुजनगर में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मास्टर ट्रेनर डी.एस. लकड़ा, शत्रुघन मिश्रा तथा सुधाकर शुक्ला के द्वारा संस्था में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को विस्तारपूर्वक मतदान संबंधित जानकारी देकर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात की गई एवं मतदान से संबंधित मूलभूत जानकारी दी गई। मतदान संबंधी जानकारी देते हुए फॉर्म 6 के द्वारा अधिक से अधिक लोगों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं फॉर्म 8 द्वारा संशोधन कराने एवं सभी को मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री मिश्रा के द्वारा छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित कर्मचारियों को मतदाता शपथ ग्रहण कराया गया।

रीपा से ग्रामीण हो रहे आत्मनिर्भर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) अंतर्गत जिला के केशवनगर रीपा केंद्र में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम के मार्गदर्शन में श्रम विभाग के द्वारा श्रम पंजीयन का कार्य कराया गया। जिससे रीपा में कार्यरत हितग्राहियों एवं आसपास के ग्रामीण जनों में अत्यंत उत्साह देखने को मिला क्योंकि यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध है। ग्राम में रीपा के खुलने के कारण ही आसानी से लोगों का लाभ मिल पा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण जनों को रीपा के (टेक्निकल स्पोर्ट एजेंसी) एक्सपर्ट के द्वारा श्रम पंजीयन से होने वाले लाभ जैसे किसी भी गतिविधि में कार्य करते हुए दुर्घटना वश मृत्यु होने पर 500000 एवं सामान्य मृत्यु होने पर 100000 का बीमा, राज मिस्त्री एवं रेजा का कार्य करने वाले हितग्राहियों को टूलकिट एवं श्रम पंजीयन हितग्राही परिवार के विद्यार्थियों को मिलने वाले छात्रवृत्ति के बारे में जानकारी दिया गया तथा साथ में रीपा अंतर्गत होने वाले विभिन्न प्रकार के लाभ के बारे में बताया गया। जिससे रीपा से जुड़कर ग्रामीणजन अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर आत्मनिर्भर बन सके।

सामान्य प्रशासन व सामान्य सभा की बैठक 06 सितम्बर को

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जनपद पंचायत सूरजपुर की सामान्य प्रशासन समिति व सामान्य सभा की बैठक 06 सितम्बर 2023 को दोपहर 01 बजे से जनपद पंचायत सूरजपुर के सभाकक्ष में आयोजित किया जाना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सर्व सदस्यों को समय पर बैठक में उपस्थित होने आग्रह किया है।

माजदा सहित चोरी के 10 लाख रूपये कीमती और गैस कटर भी किया गया जप्त

लोहे के पाईप के साथ 03 आरोपी गिरफ्तार

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुर -: भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे सड़क निर्माण में लगने वाले लोहे के पाइप को चोरी करने का मामला सामने आया है, जिसमें चोरों ने 10 लाख रुपए कीमती पाइप को गैस कटर से काटकर माजदा में लोड कर चोरी को अंजाम दिया है, हालांकि पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर माल को जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नीरज सिंह निवासी राजस्थान जीआर इन्फ्रा लिमिटेड बलौदा ने थाना बलौदा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 30.08.2023 को सुबह करीब 08:00 बजे साईड इंजीनियर गंगा सिंह के साथ साईड देखने निर्माणाधीन रोड के पास

पहुंचे की ग्राम कोरबी के पास हाईवे रोड किनारे रखे पाईप वजन 5.00 से 5.50 मैट्रीक टन किमत 10,00000 रू जिसे आस पास पता तलाश किया कही पता नही चला जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध धारा 379 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान मुखबिर से बलौदा पुलिस को सूचना मिली की ग्राम चारपारा बलौदा में निर्माणाधीन भारत माला रोड के पास दो संदिग्ध व्यक्ति रोड के आसपास घूम रहे है सूचना पर बलौदा पुलिस मौके पहुँची, जहाँ तीन व्यक्ति संदिग्ध हालात में घूमते मिले जिनसे पुछताछ करने पर पुछताछ के दौरान ग्राम कोरबी के पास निर्माणाधीन भारतमाला रोड के पास रखे लोहे के पाईप को दिनांक 29-30.अगस्त.2023 के मध्य रात्रि में गैंस कटर की सहायता से काटकर 28 नग लोहे के टुकडे वजनी करीबन 5 टन किमती 10 लाख रू को चोरी कर ओमप्रकाश साहू निवासी सीपत बिलासपुर वाले के स्वराज माजदा वाहन क्रमांक सीजी-10 डब्ल्यु 3319 में भरकर सीपत ले जाना बताये जिसे गवाहों के समक्ष 28 नग लोहे का पाईप का टुकडा घटना में प्रयुक्त वाहन स्वराज माजदा क्रमांक सीजी-10 डब्ल्यु 3319 लोहे को काटने में प्रयुक्त गैस कटर तथा गैंस सिलेण्डर टंकी को कुल किमती 17 लाख रू को जप्त किया गया है। आरोपीयों द्वारा जूर्म करना स्वीकार करने पर आरोपी ओमप्रकाश साहू उम्र 26 वर्ष निवासी झलमला, कादिर खान उम्र 42 वर्ष झलमला, दुजराम कैवर्थ निवासी मचखंडा थाना सीपत जिला बिलासपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी बलौदा, प्रधान आरक्षक गजाधर पाटनवार, केदार साहू एवं आर संतोष रात्रे, श्याम राठौर, हेमंत साहू, संदीप सोनत, लखेश विश्वकर्मा, योगेश यादव का सराहनीय योगदान रहा।

कलेक्टर ने सुनी जनसामान्य की मांग एवं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

जनदर्शन में आज विभिन्न मांगो एवं शिकायतों के 127 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न दुरस्थ स्थलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी मांग एवं समस्याओं को तन्मयतापूर्वक सुना। कलेक्टर ने जनदर्शन में जनसामान्य से प्राप्त मांगो एवं समस्याओं के आवेदन पत्रों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 127 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में आज जनदर्शन में विकासखंड पामगढ़ के ग्राम पंचायत ससहा निवासी कु. गीता केंवट द्वारा बैटरी चलित

ट्रायसायकल दिलाने, विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम सरवानी निवासी श्रीमती नानबाई द्वारा विधवा पेंशन योजना का लाभ दिलाने एवं सहायता राशि दिलाने, विकासखंड अकलतरा के ग्राम खपरीडीह निवासी श्री आनंदराम द्वारा पेंशन दिलाने, जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम पंचायत बनाहिल के सरपंच द्वारा पेयजल से संबंधित आवेदन, तहसील जांजगीर के ग्राम खोखरा निवासी श्रीमती सहोद्रा बाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम गोधना निवासी श्रीमती छठबाई साहू राशनकार्ड के संबंध, विकासखंड नवागढ़ के ग्राम चोरभट्ठी निवासी श्री गोविंद कश्यप मुआवजा राशि दिलाने संबंधी आवेदन लेकर पहुंचे। जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करते हुए निराकरण करने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जनदर्शन में अन्य विभिन्न आवेदकों द्वारा रोजगार प्रदाय, नामांतरण, राशनकार्ड, भूमि सीमांकन, आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित कुल 127 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जनदर्शन में पहुंचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर संबंधित विभाग के अधिकारियों को मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि शासन के मंशानुरूप नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ तथा शीघ्र निराकरण करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा कलेक्टोरेट कार्यालय में जिला स्तरीय जनदर्शन का आयोजन प्रत्येक सोमवार को सुबह 10:30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के 205 हड़ताली कर्मचारी सेवा से बर्खास्त

सीएमएचओ ने जारी किए आदेश

बिलासपुर :- छत्तीसगढ़ सिविलि सेवा (आचरण) नियम-1965 के तहत स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों के संबंध में अनाधिकृत रूप से निरंतर दिनांक 21.08.2023 से हड़ताल में है, इस कारण से लोक हित / नागरिक सेवायें तथा शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे है और लोगों को असुविधा हो रही है।

जिन सेवाओं के विषय में एस्मा छत्तीसगढ़ अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम-1979 की धारा-4 की उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए एवं सूचना उपरांत भी कर्मचारियों द्वारा उपस्थित नहीं होने पर एस्मा अंतर्गत कार्यवाही किये है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला बिलासपुर, छ.ग. का पत्र क्रमांक / स्था. / 2023 / 9817 बिलासपुर दिनांक 25.08.2023 द्वारा कार्य पर तत्काल उपस्थिति होने हेतु निर्देशित किया गया था किन्तु उनके बावजूद भी संबंधित कर्मचारी द्वारा उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना करते हुए अपने कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित है।

संबंधित कर्मचारी द्वारा कार्य पर उपस्थित नहीं होने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम-1965 के नियम-6 एवं नियम - 7 एवं छ0ग0 अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम-1979 की धारा-4 की उपधारा (1) एवं (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए 205 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है।

अम्बिकापुर से रेणुकूट रेल जुड़ाव चेतना पद यात्रा का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर रेणुकूट से अंबिकापुर तक रेल जुड़ाव चेतना पदयात्रा के चौथे दिन यात्रा की शुरुआत प्रतापपुर से शुरू हुई जो खड़गवां होते हुए आगे बढ़ी। ग्राम पंचायत मायापुर द्वितीय (सोनगरा -खड़गवा रोड)में सर्वे के अनुसार प्रस्तावित रेलवे स्टेशन तक पहुंची। यहां विभिन्न ग्राम के लोगों ने यात्रा का स्वागत किया।हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़ कर लोगों ने हिस्सा लिया। यहां कई ग्राम पंचायतों के सरपंच, पूर्व सरपंच सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। यहां आमसभा का आयोजन ग्राम के लोगों द्वारा किया गया। संतोष बिहाडे ने कहा कि ऐसे गांव में जहां आवागमन के लिए बस की सुविधा बड़ी मुश्किल से मिलती है वहां पर रेलवे की सोच और उसे साकार करने के लिए पदयात्रा करना एक बड़ी एवं ऐतिहासिक सोच है। सरगुजा रेल संघर्ष समिति के सभी सदस्यों का जो इस कड़ी धूप में रेणुकूट से लगातार चल कर आज मायापुर द्वितीय में पहुंचे हैं यह हमारे लिए बड़ी बात है। मुकेश तिवारी ने कहा की इस गांव में सब्जी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है जिसका निर्यात कर अच्छा पैसा अर्जित कर

पाएंगे. किसानों का कहना है की बनारस जैसे शहरों में रेल के माध्यम से जाकर आसानी से इलाज करवा सकेंगे.सतीश तिवारी ने कहा कि हमें यहां से देश की राजधानी और धार्मिक नगरी काशी, प्रयागराज और अयोध्या तक जाने के लिए सुगम आवागमन का साधन चाहिए, जो रेल से बेहतर नहीं हो सकता। भूतपूर्व सरपंच शिवनंदन पैंकरा ने कहा कि रेल लाईन जब जुड़ेगी तो न सिर्फ आवागमन का साधन बढ़ेगा, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोज़गार हर क्षेत्र में सुविधा मिलेगी।यह मायापुर द्वितीय ग्रामीण वासियों का सौभाग्य है कि रेलवे के सर्वे में यहां स्टेशन प्रस्तावित है।। इस दौरान पदयात्रियों में मुकेश तिवारी, अजय तिवारी, पीयूष त्रिपाठी, पंकज चौधरी, अंचल ओझा, समीर श्रीवास्तव, राहुल त्रिपाठी रेलवे संघर्ष पदयात्रा टीम सहित कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष शरद चंद्र द्विवेदी, विकेश जायसवाल, जय बहादुर सिंह, अनुराग द्विवेदी, टिबुल पैंकरा,गुलाब मिश्रा, संतोष मिश्रा, मन्नू मिश्रा, अश्विनी सिंह, तेज बहादुर सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे. कार्यक्रम के पश्चात पदयात्रा मंजीरा के लिए प्रस्थान किया।

बड़े उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आपसी सामंजस्य स्थापित करे कार्यकर्ता सुरेश कुमार

जांजगीर-चांपा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक हिमाचल प्रदेश के विधायक सुरेश कुमार ने जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक ली जिसमें कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव के साथ-साथ लोकसभा चुनाव को कैसे जीते इस पर सबसे सुझाव लिया एवं राय शुमारी की जीस पर कार्यकर्ताओं ने अपनी बात रखी सब की बातों को सुनने के बाद में पर्यवेक्षक सुरेश कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाएं सभी वर्गों को फायदा पहुंचा रही है सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किया है इन सब बातों को लेकर मतदाताओं के पास जाएं जो भी कांग्रेस प्रत्याशी बने उसे जिताए बड़े उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए छोटी-मोटी बातों को छोड़कर आपस में सामंज्य बनाते हुए कार्यकर्ता जुट जाएं और भाजपा के नफरत भरी नीतियों को लोगों को अवगत कराएं यही हम सबकी जिम्मेदारी है उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को हिमाचल में आए हुए आपदा से निपटने के लिए आर्थिक सहयोग के लिए धन्यवाद किया बैठक का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने किया एवं आभार महामंत्री कन्हैया राठौर ने किया बैठक में लोकसभा प्रत्याशी रवि भारद्वाज , प्रदेश सचिव मतीन खान, गिरधारी यादव ,रमेश पवार, देवेश सिंह, गोरेलाल बर्मन, महारथी बघेल, श्रीमती गीता देवांगन ,राजेश अग्रवाल ,खेदु कंवर, देव कुमार पांडे, प्रिंस शर्मा राइस किंग जिला उपाध्यक्ष रफीक सिद्दीकी, रामलाल यादव ,विवेक सिसोदिया, हृदय प्रकाश अनंत महामंत्री मनोज तिवारी , आभास बोस, शिशिर द्विवेदी, घासीराम चौहान ब्लॉक अध्यक्ष संतोष शर्मा, सुनील साधवानी, रामशंकर सिंगसर्वा , श्रीमती संगीता सोनी ,महेश्वर टंडन ,हरदेव टंडन ,कल्याण सिंह बर्मन सभी ने बूथ में कार्य करने की बात कही बैठक में रामविलास राठौर, डुग्गू प्रधान, किशन सोनी, दुर्गा कुर्रे, अविनाश साहू, अनिल राठौर, सुशांत सिंह, अनिल मोदी,भीषम राठौर ,राज कपूर साहू, प्रमोद साहू ,अजय निर्मलकर, शशि जगत, राजेश भारद्वाज, प्रदीप बनर्जी ,सरोज कुमार सारथी ,प्रमोद पांडे, संतोषी रात्र, कुसुम लता साव ,पवन कश्यप ,सत्य प्रकाश निर्मलकर, संतोष यादव, सहित सेक्टर प्रभारी, जोन प्रभारी, कांग्रेस के अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे

नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जावे-न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश

बिलासपुर:- दिनांक 09 सितम्बर 2023 को आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्री-लिटिगेशन एवं लंबित मामलों को अधिक से अधिक संख्या का निराकृत किये जाने पर विशेष जोर दिया जावे, इसके अलावा क्षतिपूर्ति, लेबर, स्थायी लोक अदालत के साथ साथ राजस्व के मामलो को अधिक से अधिक संख्या में निराकृत कर का प्रयास किया जावे, उक्त निर्देश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय मुख्य न्यायाधीश, एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक माननीय श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने समस्त जिलों के जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, सचिव, फैमिली कोर्ट के न्यायाधीशों, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सीजेएम, लेबर कोर्ट जज को उच्च न्यायालय से सालसा के माननीय कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के माननीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति

संजय के. अग्रवाल की विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित विडियो कान्फ्रेसिंग परिचर्चा बैठक में दी।

उक्त विडियो कान्फ्रेसिंग परिचर्चा में सालसा के माननीय कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी ने न्यायाधीशों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछली लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के मामलों में अच्छे परिणाम आये है, अतः प्रीलिटिगेशन के मामलों को लोक अदालत के माध्यम से निराकरण को और बढ़ाया जाये और स्थायी लोक अदालत से संबंधित मामलों में पक्षकारों को उनके निवास स्थल पर ही मोबाईल वैन का उपयोग कर मामलों का निराकरण करने का प्रयास किया जावे। इसके अलावा लोक अदालत की नोटिस पक्षकारों को समय पर जारी करने एवं उसकी तामिली सुनिश्चित किये जाने हेतु भी विशिष्ट दिशा निर्देश दिये गये।

उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के माननीय अध्यक्ष श्री न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने कहा कि धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं नालसा की गाईडलाईन के अनुसार संबंधित मामलों को लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में निराकृत करने का प्रयास किया जावे।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के द्वारा वर्ष 2023 हेतु निर्धारित कैलेण्डर एवं दिये गये दिशा-निर्देशानुसार सभी स्तरों के न्यायालयों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन के राजीनामा योग्य मामलों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किये जाने हेतु निर्देशित किये गये हैं, जिसमें वर्ष 2023 में प्रथम नेशनल लोक अदालत दिनांक 11-2-2023 को आयोजित की गई थी, जिसमें 39,062 लंबित मामलों तथा 2,72,545 प्री-लिटिगेशन के मामले तथा दिनांक 13-5-2023 को आयोजित द्वितीय नेशनल लोक अदालत में 39,123 लंबित एवं 3,55,450 प्री-लिटिगेशन के मामले निराकृत किये गये थे। अवगत हो कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के निर्देशानुसार नेशनल लोक अदालत का आयोजन कोर्ट की परिभाषा में आने वाले सभी न्यायालयों यथा उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय, फैमिली कोर्ट, फोरम, ट्रिब्यूनल के साथ साथ राजस्व न्यायालयों में भी आयोजित किये जाते हैं तथा आागामी नेशनल लोक अदालत 09 सितम्बर 2023 को होनी है।

अपने दीपक स्वयं बनो की प्रेरणा है 'शिक्षक'

स्वदेश तिवारी, स्थानीय संपादक

दुनिया सुनना नहीं, देखना पसंद करती है कि आप क्या कर सकते हैं. ओर अपने अंदर छिपी इसी असीम शक्ति की पहचान करवाना, मैं कौन हूँ ओर क्या कुछ कर सकता हूँ इस भाव को परिणाम में बदलने के लिए प्रेरित करने की प्रेरणा है शिक्षक। आज शिक्षक दिवस है और हममें से कोई भी ऐसा नहीं, जिसके जीवन में इस शब्द का महत्व न हो। हम आज जो कुछ भी है या हमने जो कुछ भी सिखा या जाना है उसके पीछे किसी न किसी का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सहयोग व उसे सिखाने की भूमिका रही है। इसलिए आज का दिन प्रत्येक उस व्यक्तित्व के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का व उन सीखे हुए मूल्यों के आधार पर खुशहाल समाज निर्माण में अपनी भूमिका तय करने का दिन भी है। शिक्षक यानि गुरु शब्द का तो अर्थ ही अंधकार (अज्ञान) से प्रकाश (ज्ञान) की ओर ले जाने वाला है। भारत में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का श्री गणेश भी हो चुका है। पूरी शिक्षा नीति को देखने पर ध्यान आता है कि उसके क्रियान्वयन व सफ़ल तरीके से उसे मूर्त रुप देने का अगर सीधा-सीधा किसी का नैतिक दायित्व बनता है तो वह शिक्षकों का ही है। वर्तमान के आधार को मजबूत करते हुए, भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को चरितार्थ करने व भारत को आगे बढ़ाने के सपनों को अपनी आँखों में भर कर निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा व भाव जागरण का आधार भी शिक्षक है। जिंदगी में उत्साह व भारत के प्रति उत्तरदायित्व से भरी हुई पीढ़ियों का निरंतर निर्माण करते रहना, यही शिक्षकत्व की पहचान है और यही शिक्षक दिवस की सार्थकता भी।

जीवन का दायित्वबोध है शिक्षक: शिक्षक जो जीवन के व्यावहारिक विषयों को बोल कर नहीं बल्कि स्वयं के उदाहरण से वैसा करके सिखाता है। शिक्षक जो बनना नहीं गढ़ना सिखाता है। शिक्षक जो केवल शिक्षा नहीं बल्कि विद्या सिखाता है। शिक्षक केवल सफ़ल होना नहीं, असफ़लता से भी रास्ता निकाल लेना सिखाता है। शिक्षक जो तर्क व कुतर्क के अंतर को समझाता है। शिक्षक जो केवल चलना नहीं, गिरकर उठना भी सिखाता है। शिक्षक जो भविष्य की चुनौतीयों के लिए तैयार होना सिखाता है। शिक्षक जिसे समाज संस्कार, नम्रता, सहानुभूति व समानुभूति की चलती फ़िरती पाठशाला मानता है। कहा जाता है कि एक शिक्षक का दिमाग देश में सबसे बेहतर होता हैज्एक बार सर्वपल्ली राधाकृष्णन के कुछ छात्रों और दोस्तों ने उनका जन्मदिवस मनाने की इच्छा ज़ाहिर कि इसके जवाब में डॉक्टर राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने की बजाय इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो मुझे बहुत गर्व होगा। इसके बाद से ही पूरे भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कारण इस दिन इस महान शिक्षाविद को हम सब याद भी करते हैं।

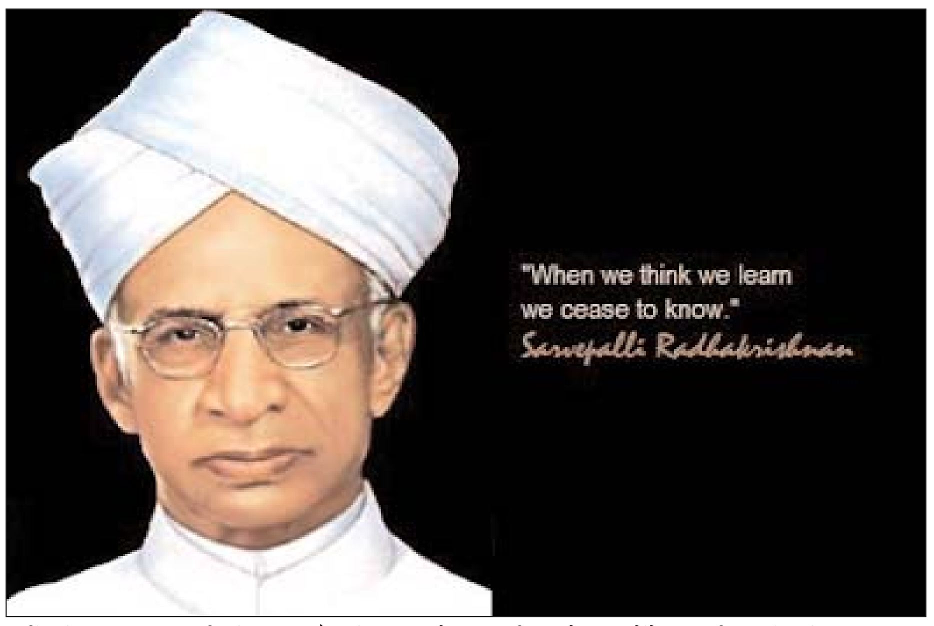

एक नज़र डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली:-डॉ. राधाकृष्णन ने 12 साल की उम्र में ही बाइबिल और स्वामी विवेकानंद के दर्शन का अध्ययन कर लिया था। उन्होंने दर्शन शास्त्र से एम.ए. किया और 1916 में मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में सहायक अध्यापक के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। उन्होंने 40 वर्षो तक शिक्षक के रूप में काम किया। वह 1931 से 1936 तक आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसके बाद 1936 से 1952 तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के पद पर रहे और 1939 से 1948 तक वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर आसीन रहे। उन्होंने भारतीय संस्कृति का गहन अध्ययन किया। साल 1952 में उन्हें भारत का प्रथम उपराष्ट्रपति बनाया गया और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति बनने से पहले 1953 से 1962 तक वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। इसी बीच 1954 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें 'भारत रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया। डॉ. राधाकृष्णन को ब्रिटिश शासनकाल में 'सर' की उपाधि भी दी गई थी। इसके अलावा 1961 में इन्हें जर्मनी के पुस्तक प्रकाशन द्वारा 'विश्व शांति पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया था। अत: हम कह सकते है कि वे जीवनभर अपने आप को शिक्षक मानते रहे और उन्होंने अपना जन्मदिवस भी इसी परिपाटी का पालन करने वाले शिक्षकों के लिए समर्पित कर दिया।

शिक्षा को मिशन का रूप देना होगा: डॉ. राधाकृष्णन अक्सर कहा करते थे, शिक्षा का मतलब सिर्फ जानकारी देना ही नहीं है। जानकारी का अपना महत्व है लेकिन बौद्धिक झुकाव और लोकतांत्रिक भावना का भी महत्व है, क्योंकि इन भावनाओं के साथ छात्र उत्तरदायी नागरिक बनते हैं। वे मानते थे कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा, तब तक शिक्षा को मिशन का रूप नहीं मिल पाएगा। आज शिक्षा को मिशन बनाना होगा। शिक्षा की पहुँच इस देश के अंतिम घर के अंतिम व्यक्ति तक होनी चाहिए। इसके लिए केवल शिक्षकों को ही नहीं समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। प्रत्येक वो व्यक्ति जो अपने आपको शिक्षा देने में सक्षम समझता है उसे आगे आना होगा। अपने यहाँ अधिक से अधिक मोहल्ले एवं ग्रामीण शिक्षा केंद्र संचालित करने की चुनौती को उसे स्वीकार करना होगा। ताकि समाज का कोई भी वर्ग या स्थान शिक्षा से वंचित न रहे। उसे प्रतिदिन या सप्ताह में कुछ समय शिक्षा जैसे पुनीत कार्य के लिए लगाना होगा। इस कार्य के लिए उसे अपने जैसे बहुत से लोगों को खड़ा करना होगा व इस अभियान में सहयोगी बनने के लिए उनका भाव जागृत करना होगा।

शिक्षा स्व-रोज़गार के लिए: शिक्षक के नाते अब हमें शिक्षा को क्लास रूम से बाहर ले जाने की पहल करनी होगी यानि उसकी व्यावहारिकता पर ज्यादा ध्यान देना होगा। विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को अपनी प्राथमिकता में लाना होगा। ताकि विद्यार्थी का कौशल उसके जीवन का हिस्सा बन सके और आगे उसे रोज़गार से जोड़ा जा सके। शिक्षा को फ़ॉर्मल एजुकेशन के साथ ङ्क साथ अनौपचारिक यानी इन-फ़ॉर्मल एजुकेशन बनाने की ओर भी अब हमें अपने प्रयासों को अधिक गति से बढ़ाने की आवश्यकता है। कोविड ने हमें आज इस विषय की ओर देखने की दृष्टि भी दी है ताकि भविष्य में किसी विकट परिस्थिति व आर्थिक संकट के समय स्व-रोज़गार के आधार पर हम आत्मनिर्भरता की भावना के साथ उस परिस्थिति का सामना कर सके।

सच्ची अभिव्यक्ति व प्रेरक शक्ति का दिन: तो आईये, आज शिक्षक दिवस के दिन इन सभी बातों का पुन: स्मरण कर, अपने हौंसलों की उड़ान को ओर बढ़ाते है। शिक्षक के दायित्वबोध को और अधिक संकल्प के साथ निभाते है। डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के जीवन के विभिन्न प्रेरक पहलूओं से सीख ले,प्रत्येक व्यक्ति तक शिक्षा को ले जाने के अपने प्रयास को गति देते है। मैं से प्रारंभ कर इस शिक्षा रुपी अलख को लाखों ङ्क लाखों का सपना बनाते हैं। वास्तव में शिक्षक होने के नाते आज शिक्षक दिवस के दिन डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली के प्रति व अपने आदर्श प्रेरणादायी शिक्षकों के प्रति यही हमारी सच्ची अभिव्यक्ति व प्रेरक शक्ति होगी। यही सामूहिक संकल्पित शक्ति ही हमें 2047 के विकसित भारत की ओर अग्रसर भी करेगी तथा हमारा मार्ग प्रशस्त भी करेगी।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव समय पर होगा

विपक्षी पार्टियों के नेताओं के इस दावे का कोई आधार नहीं है कि लोकसभा का चुनाव समय से पहले हो सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले कहा कि भाजपा लोकसभा का चुनाव इस साल दिसंबर तक करा सकती है। इसके बाद यही बात बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोहराई। उन्होंने भी कहा कि सरकार मुश्किल में है इसलिए वह जल्दी चुनाव में जा सकती है। ममता और नीतीश कुमार के अलावा कई और नेता अनौपचारिक बातचीत में इस बात की आशंका जता रहे हैं कि भाजपा अगले साल अप्रैल-मई की बजाय इस साल के अंत में चुनाव करा सकती है। असल में विपक्षी पार्टियां इससे एक नैरेटिव बना रही हैं। सोची समझी योजना के तहत विपक्ष की ओर से यह बात कही जा रही है ताकि विपक्ष के गठबंधन 'इंडिया' पर फोकस बढ़े और उसे गंभीरता से लिया जाए। तभी विपक्ष की ओर से बार बार यह भी कहा जा रहा है कि जब से 'इंडिया' का गठन हुआ है तब से भाजपा परेशान। ममता बनर्जी ने तो रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कटौती को भी इसी से जोड़ा और कहा कि 'इंडिया' की दो बैठक हुई है और उसी से सरकार कीमतें कम करने लगी। जल्दी चुनाव की संभावना जताना इसी नैरेटिव का हिस्सा है। इसका मकसद यह बताना है कि केंद्र सरकार और भाजपा दोनों विपक्षी गठबंधन की वजह से चिंता में हैं और चाहते हैं कि विपक्ष और मजबूत हो उससे पहले चुनाव करा लिया जाए ताकि उन्हें चुनाव की तैयारी का मौका नहीं मिले। कई बार समय से पहले चुनाव करा लेना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है। जैसे तेलंगाना में पिछली बार के चंद्रशेखर राव ने समय से पहले चुनाव करा लिया था और जीत गए थे। जैसे गुजरात में 2002 के दंगों के बाद नरेंद्र मोदी समय से पहले विधानसभा चुनाव कराना चाहते थे। लेकिन हर बार यह रणनीति कारगर नहीं होती है। केंद्र के स्तर पर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने छह महीने पहले चुनाव कराया था और हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को उसका अनुभव है। दूसरे, नरेंद्र मोदी अपनी सरकार का एक दिन भी जाया करने वाले नेता नहीं हैं। तभी 2019 का चुनाव 2014 के मुकाबले देरी से खत्म हुआ, नतीजे भी देरी से आए और मोदी ने शपथ भी चार दिन की देरी से ली। वैसे भी अगर चुनाव रणनीति के हिसाब से देखें तो भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव का जो कैलेंडर बनाया है उसके मुताबिक जनवरी का महीना सबसे अहम है, जब अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसका उद्घाटन करेंगे और सात दिन तक धार्मिक उत्सव चलता रहेगा। भाजपा पूरे देश में इसका माहौल बनाएगी। उससे पहले इस साल दिसंबर तक सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोजगार बांटने का ऐलान किया है, जिसकी प्रक्रिया चल रही है। अगर दिसंबर में चुनाव कराना होगा तो अक्टूबर में आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में सितंबर तक सारी नियुक्ति पत्र बांटनी होगी, जिसकी तैयारी अभी नहीं दिख रही है। नवंबर में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा किसी हाल में उनके साथ लोकसभा चुनाव नहीं कराएगी क्योंकि स्थानीय मुद्दों का असर लोकसभा पर हो सकता है। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनसे लगता है कि चुनाव समय पर होंगे।

इंडिया में विवाद नहीं, मंशा सबकी!

यह सही है विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' में प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर कोई विवाद नहीं है लेकिन यह भी सही है कि दावेदारी सबकी है। कम से कम पांच पार्टियों की ओर से अपने नेता को दावेदार के तौर पर पेश कर दिया गया है। हालांकि दावेदारी पेश करने के बाद सफाई देकर उसका खंडन भी कर दिया गया लेकिन आधिकारिक रूप से यह बात दर्ज हो गई कि अमुक नेता विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करना चाहता है या गठबंधन की जीतने पर प्रधानमंत्री बनना चाहता है। जिन पार्टियों की ओर से दावेदारी की गई है उनकी ओर से मजबूत तर्क भी दिए गए हैं। प्रधानमंत्री पद के दावेदारों में सबसे ताजा नाम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का है। उनसे पहले राहुल गांधी, नीतीश कुमार, उद्धव ठाकरे, शरद पवार और ममता बनर्जी दावेदार हैं, जबकि मल्लिकार्जुन खड़गे डार्क हॉर्स हैं।

केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने मुंबई की बैठक से ठीक पहले कहा कि अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं क्योंकि उनके पास विकास का एक नजरिया है, जिसे वे पूरे देश में लागू कर सकते हैं। गौरतलब है कि केजरीवाल की पार्टी विचारधारा की जगह गवर्नेंस को तरजीह देती है और उसके लिए गवर्नेंस का मतलब मुफ्त में पानी, बिजली उपलब्ध कराना है। हालांकि प्रियंका कक्कड़ के बयान के तुरंत बाद पार्टी के बड़े नेता सक्रिय हुए और इसका खंडन किया। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा के साथ साथ दिल्ली सरकार की नंबर दो मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी उनको पहले ही प्रधानमंत्री पद का दावेदार बता चुकी है। जदयू का कहना है कि नीतीश को 'इंडिया' का संयोजक बनाया जाए और उनके नाम पर चुनाव लड़ना चाहिए। जदयू का तर्क है कि नीतीश ने विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने का प्रयास शुरू किया और सफल रहे। इसके अलावा पार्टी का यह भी कहना है कि नीतीश ने जातीय गणना करा कर सामाजिक न्याय का एजेंडा फिर से चर्चा में ला दिया है। भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति की काट के तौर पर यह एकमात्र मुद्दा है, जिससे विपक्षी पार्टियां भाजपा को चुनौती दे सकती हैं। इसलिए अगर नीतीश चेहरा बनते हैं तो विपक्ष को पिछड़े, दलितों, वंचितों व अल्पसंख्यकों का वोट एकजुट करने में आसानी होगी।

एनसीपी के नेता शरद पवार प्रधानमंत्री पद के सबसे पुराने और स्थायी दावेदार हैं। वे सबसे लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। उनकी पार्टी वरिष्ठता और सभी पार्टियों में संपर्कों की वजह से उनको दावेदार बता रही है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की पार्टी का मानना है कि हिंदुत्व की अपनी राजनीति के दम पर उद्धव ज्यादा मजबूती से नरेंद्र मोदी को टक्कर दे सकते हैं। उनके नाम पर कट्टर हिंदू वोट भी हासिल किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रधानमंत्री पद की पांचवीं दावेदार हैं। वे महिला हैं, केंद्र में मंत्री रही हैं और तीन बार से बंगाल की मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में सीधी लड़ाई में भाजपा को हराया था।

जीडीपी में ग्रोथ सही पर महंगाई नियंत्रण चुनौती

राधेश्याम कोरी

सियासी और कॉरपोरेट हलचल के बीच आर्थिक मोर्चे पर सुकून वाली खबर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल-जून के दौरान देश की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही, जो पिछली 4 तिमाहियों यानी एक साल में सबसे तेज ग्रोथ रेट है। इससे पहले जनवरी-मार्च-2023 तिमाही में जीडीपी दर 6.1 फीसदी रही थी, जबकि पिछले साल 2022 की अप्रैल-जून तिमाही में लो बेस के चलते जीडीपी ग्रोथ रेट 13.1 फीसदी दर्ज की गई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक, सेवा और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के कारण अप्रैल-जून तिमाही इकोनॉमी एक साल में सबसे तेज गति से बढ़ी है। 7 ब्लूमबर्ग के 44 अर्थशास्त्री के सर्वे के अनुसार, पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.8त्न रहने का ही अनुमान था। ये आंकड़े आकर्षक हैं और अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए पुष्टिकारक हैं, लेकिन पहली तिमाही में कृषि सेक्टर का ग्रोथ 5.5त्न से घटकर 3.5त्न पर आ गया है। इलेक्ट्रिसिटी और पब्लिक यूटिलिटी सेक्टर का ग्रोथ 6.9त्न से घटकर 2.9त्न रह गया तो कंस्ट्रक्शन सेक्टर का ग्रोथ 10.4त्न से घटकर 7.9त्न रह गया । यह चिंता की बात है। अर्थशास्त्री लगातार कहते रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की जीडीपी को डबल डिजिट में लाने के लिए कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन लगातार पांच-छह फीसदी से ऊपर रहना जरूरी है। देश में इस साल पिछले आठ वर्षों की सबसे कम मानसूनी बारिश हुई है। इससे रबी की फसलों पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। वर्षा कम होने से खरीफफसल की बुआई भी प्रभावित हुई है। कम बारिश की वजह से चीनी, दालें, तेल, चावल और सब्जियां महंगी हो सकती हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था कुछ वर्षों से लगातार उच्च मुद्रास्फीति दर का सामना कर रही है। जुलाई में महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 फीसदी पर जा पहुंची व ओवर ऑल खाद्य महंगाई दर 11.51 प्रतिशत रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बार बार कहा है कि महंगाई को नियंत्रण में करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। रिजर्व बैंक भी लगातार मौद्रिक उपाय कर रहा है। इसके बावजूद महंगाई नियंत्रित नहीं हो पा रही है। आखिर प्राथमिकता के बाद भी महंगाई नियंत्रित क्यों नहीं हो रही? महंगाई के पीछे असल वजह आपूर्ति चेन में कार्टेल व मुनाफाखोरी के साथ-साथ पेट्रो उत्पादों का महंगा होना है। सवा साल में कच्चे तेल की कीमतों में 33 फीसदी की गिरावट आई है, इसके बावजूद सरकार ने पेट्रोल व डीजल की कीमतों में कटौती नहीं की, जबकि पेट्रो उत्पादों में पांच से सात रुपये प्रति लीटर कटौती की गुंजाइश है। पेट्रोलियम रेट में कटौती से महंगाई नियंत्रण में काफी मदद मिल सकती है। आपूर्ति चेन में कार्टेल व मुनाफाखोरी पर भी एक्शन की ज़रूरत है। सरकार के स्तर पर यह साबित हो चुका है कि रिजर्व बैंक के मौद्रिक उपाय महंगाई नियंत्रण में कारगर नहीं है और हाल में रिजर्व बैंक भी यह मान चुका है, इसके बावजूद रेपो रेट उच्च रखने का फैसला बाजार की लिक्विडिटी को प्रभावित कर रहा है। अनुमान है कि सख्त मौद्रिक नीति, गिरते निर्यात, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव, कृषि क्षेत्र का लचर प्रदर्शन दूसरी छमाही में जीडीपी को प्रभावित कर सकते हैं। देश व विदेश की वित्तीय संस्थाएं चालू वित्त वर्ष में 6.1 फीसदी से 6.5 फीसदी तक जीडीपी दर रहने का अनुमान जताया है। यह दर विकसित भारत लक्ष्य के लिए नकाफी है। आगे चुनाव वर्ष को देखते हुए सरकार की प्राथमिकता महंगाई नियंत्रण की होनी चाहिए। महंगाई अर्थव्यवस्था को घुन की तरह खोखला कर रही है, यह जीडीपी ग्रोथ को भी प्रभावित कर रही है। विपक्ष के एजेंडे में भी महंगाई है। अच्छी राजनीति के लिए अच्छा अर्थगणित जरूरी है।

अगला चुनाव जाति के मुद्दे पर

अजीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे तब चुनाव लगभग पूरी तरह से सत्ता विरोधी लहर पर लड़ा गया था। भाजपा और नरेंद्र मोदी की प्रचार टीम के सारे नारे सत्ता विरोध वाले थे। मनमोहन सिंह पर कमजोर नेतृत्व का आरोप था तो महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा था। इसके अलावा वह चुनाव उम्मीदों और आकांक्षाओं वाला था। अच्छे दिन के वादे वाला था। उसके बाद के किसी चुनाव में अच्छे दिन की बात नहीं हुई। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी 2019 में पहला लोकसभा चुनाव लड़े और वह पूरी तरह से राष्ट्रवाद के मुद्दे पर था। पुलवामा कांड की पृष्ठभूमि और सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक के नाम पर चुनाव हुआ था। इन दोनों चुनावों में हिंदुत्व का मुद्दा सतह के अंदर अंडरकरंट की तरह था। इस बार के चुनाव में वह मुख्य मुद्दा बनता दिख रहा है और उसके साथ साथ राष्ट्रवाद, मोदी का मजबूत नेतृत्व और भारत के विश्वगुरू होने का नैरेटिव है।

दूसरी ओर 2014 और 2019 के चुनाव में पूरी तरह से बिखरा और किंकर्तव्यविमूढ़ रहा। पर इस बार विपक्ष एकजुट होकर एक साझा नैरेटिव पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। कहने को विपक्षी पार्टियां बता रही हैं कि आम लोग सरकार से नाराज हैं, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त हैं और इसलिए सत्ता विरोध की लहर है। हालांकि जमीन पर ऐसा कुछ नहीं दिख रहा है। सत्ता विरोध प्रत्यक्ष नहीं दिख रहा है। हो सकता है कि लोगों के मन में नाराजगी हो लेकिन वह नाराजगी भाजपा और मोदी के खिलाफ वोट में कितनी तब्दील होगी यह नहीं कहा जा सकता है। यह बात विपक्ष को भी पता है इसलिए ऊपरी तौर पर सत्ता विरोधी लहर की बात कही जा रही है लेकिन अंदरूनी रणनीति में जाति को मुख्य मुद्दा बनाने की तैयारी होती दिख रही है।

तभी कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां जातियों की गिनती कराने और आरक्षण बढ़ाने की बात कर रही हैं। जातियों की गणना और आरक्षण का दायरा बढ़ाने की बात पर सभी पार्टियों में सहमति है और इस बात पर भी सहमति है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे को हाईलाइट करें। हाल में दो जगह खड़गे ने इससे जुड़े बयान दिए। मध्य प्रदेश में उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो जातियों की गिनती कराएगी। इसके बाद वे तेलंगाना में प्रचार करने गए तो वहां वादा किया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो अनुसूचित जाति का आरक्षण बढ़ा कर 18 फीसदी और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण बढ़ा कर 12 फीसदी करेंगे। कर्नाटक में कांग्रेस पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह आरक्षण की सीमा 75 फीसदी तक ले जाएगी। सो, जाति और आरक्षण की जो राजनीति पहले बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिखती थी उसका विस्तार मध्य प्रदेश से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक दिखने लगा है।

यह जरूर है कि इस बार भी शुरुआत बिहार से ही हुई है। बिहार की सरकार ने तमाम कानूनी बाधाओं और राजनीतिक अड़चनों के बावजूद जातियों की गिनती कराई है। इसके बाद संभव है कि राज्य सरकार आरक्षण को लेकर कुछ बड़े फैसले करे। मसलन आरक्षण की सीमा बढ़ाई जा सकती है, आरक्षण के भीतर आरक्षण का दायरा बढ़ सकता है, निजी सेक्टर में आरक्षण के बारे में स्टैंड तय किया जा सकता है और न्यायपालिका में आरक्षण का दबाव बढ़ाया जा सकता है। यह सब जातियों के आंकड़े आने के बाद होगा। पारंपरिक अनुमान के मुताबिक बिहार में 54 फीसदी आबादी अन्य पिछड़ी जाति की है। सो, आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार बढ़ेगी। वहां से यह मुद्दा पूरे देश में जाएगा और अगले चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेगा। भाजपा को इसका अंदाजा है इसलिए केंद्र ने इसके वैधानिक पक्ष पर अपनी राय रखते हुए सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा कि जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है। हालांकि बाद में सरकार ने यह हलफनामा वापस ले लिया, जिससे लगता है कि भाजपा खुद इस मामले में दुविधा में है।

बहरहाल, ऐसा नहीं है कि भाजपा इस राजनीति में बहुत पीछे है। वह पहले से पिछड़ी जातियों और उसमें भी अन्य पिछड़ी जातियों में काम कर रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों में अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच भाजपा का वोट आधार बढ़ा है। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में दबंग या मजबूत पिछड़ी जातियों का 40 फीसदी वोट भाजपा को मिला, जबकि अत्यंत पिछड़ी जातियों का 48 फीसदी वोट भाजपा को गया। धीरे धीरे यह परिघटना मजबूत हुई है। मुख्य रूप से इसके दो कारण हैं। पहला तो यह है कि नरेंद्र मोदी पहले दिन से बहुत व्यवस्थित तरीके से इस बात का प्रचार कर रहे हैं कि वे अत्यंत पिछड़ी जाति से आते हैं। अपनी जाति बताने के साथ साथ वे अपनी सरकार में पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासियों का प्रतिनिधित्व बढ़ाते गए हैं। साथ ही इसकी जानकारी भी सार्वजनिक रूप से देते गए हैं। सो, अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच यह मैसेज गया है कि मोदी ने उनको सत्ता में हिस्सेदारी दी है। दूसरा कारण राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा जमीनी स्तर पर किया गया काम है। बिहार, उत्तर प्रदेश या कुछ और हिंदी भाषी राज्यों में पिछले 10 साल में गैर यादव जिन जातियों का उभार देखने को मिला है उसके पीछे कहीं न कहीं संघ और भाजपा की मेहनत है। बिहार और उत्तर प्रदेश में निषाद नेताओं का उभार इसकी मिसाल है। इसके अलावा कुर्मी, कोईरी, राजभर जैसी जातियों की पार्टियां बनी हैं और इन समाजों में सत्ता में हिस्सेदारी की ललक पैदा हुई है। ओबीसी की कमजोर जातियों को ध्यान में रख कर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से साढ़े 13 हजार करोड़ रुपए के विश्वकर्मा योजना की घोषणा की। इसका लाभ लोहार, बढ़ई, नाई, चर्मकार जैसे सामाजिक व आर्थिक रूप से अत्यंत पिछड़ी जातियों को मिलेगा। सो, भाजपा अत्यंत पिछड़ी जातियों में अपनी पकड़ मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है।

देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस राजनीति का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। इसका कारण यह है कि पिछड़ी जातियों के बीच कांग्रेस अपना आधार पिछले दो दशक से खोती जा रही है। उसका यही आधार प्रादेशिक पार्टियों को गया है, जो आज उसकी सहयोगी हैं। यह कमाल का विरोधाभास है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद भी कांग्रेस को 1996 तक अन्य पिछड़ी जातियों का एक चौथाई यानी 25 फीसदी वोट मिलता रहा था। लेकिन अब वह घट कर 13-14 फीसदी रह गया है। यह सही है कि कांग्रेस को यह वोट बहुत कम मिलता है और भाजपा ने इसमें अपना आधार बढ़ाया है लेकिन कई राज्यों में यह अब भी प्रादेशिक पार्टियों का मजबूत वोट आधार है। हालांकि 2019 आते आते इस वोट में प्रादेशिक पार्टियों को भी नुकसान हुआ है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मजबूत पिछड़ी जातियों का समर्थन प्रादेशिक पार्टियों के साथ रहा है लेकिन मझोली और निचली पिछड़ी जातियों का लगभग आधा वोट भाजपा को चला गया है।

ध्यान रहे कुल आबादी में 30 फीसदी अत्यंत पिछड़ी जातियां हैं। यानी पिछड़ी आबादी में आधे से ज्यादा हिस्सा उनका है। इनमें भाजपा ने अपना मजबूत आधार बनाया है। समूचे हिंदी भाषी क्षेत्र में बिहार एकमात्र राज्य है, जहां नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का अत्यंत पिछड़ी जातियों में मजबूत आधार है। यही कारण है कि भाजपा को बिहार में नीतीश की जरूरत महसूस होती रहती है। अब गैर यादव दूसरी जातियों के नेताओं के साथ लेकर भाजपा वहां स्वतंत्र रूप से अपना वोट आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है लेकिन उसमें बहुत कामयाबी नहीं मिल पाई है। भाजपा को पता है कि उसे दबंग पिछड़ी जातियों की बजाय कमजोर पिछड़ी जातियों पर काम करना है। विपक्षी पार्टियां भी इसी समूह को लक्ष्य कर रही हैं। सो, यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन पहला दांव चलता है जस्टिस रोहिणी आयोग ने आंखें खोलने वाली रिपोर्ट दी है। उसने बताया है कि आरक्षण का पूरा लाभ दबंग पिछड़ी जातियों को मिला है। देश की 37 सौ जातियों में से नौ सौ से ज्यादा जातियां ऐसी हैं, जिनको एक भी नौकरी आरक्षण के तहत नहीं मिली। अगर इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार दायरा बढ़ा कर अत्यंत पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण करे तो वह बड़ा दांव होगा। विपक्षी पार्टियों को उससे पहले अपना दांव चलना होगा।

सार-समाचार

अपने ही साथी को पीट-पीटकर माला डाला, 6 गिरफ्तार

भिलाई। उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ पेठा बनाने का व्यवसाय करने आए एक युवक की उसी के साथियों ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और गंभीर हालत में उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में छोड़कर भाग गए थे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर छावनी पुलिस ने 6 युवकों को गिरफ्तार किया है तथा मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार छावनी पुलिस को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल से रविवार को सूचना आई थी कि मरचुरी में एक युवक की मौत हो गई तथा मामला मारपीट का लग रहा है। मृत युवक को शनिवार रात करीब 2 बजे घायल हालत में उसके साथी छोड़ कर भाग गए थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची इसी दौरान जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी वहां पहुंच गये तथा मृतक की पहचान विपिन राठौर पिता राजेंद्र राठौर (38 साल) निवासी सहजानपुर जिला गांव कटगा उत्तर प्रदेश के रूप में की गई। विपिन अपने गांव से कुछ लड़कों के साथ भिलाई आया था तथा यहां कैंप 2 मिलन चौक के पास किराये का कमरा लेकर रहा रहा था। सभी लोग वहां पेठा बनाकर बेचने का काम करते थे। शनिवार रात अचानक उनके बीच आपस में झगड़ा हो गया और सभी लोगों ने मिलकर विपिन को हाथ मुक्के और डंडे से अधमरा होते तक मारा। इसके बाद उन लोगों ने विपिन को सुपेला अस्पताल पहुंचाया जहां पूछताछ और पुलिस केस की बात सामने आने पर सभी वहां से भाग गए। इधर इलाज के दौरान कुछ देर बाद विपिन ने दम तोड़ दिया। छावनी पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, वहीं दो फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

ट्रेलर ने तीन लोगों को लिया चपेट में,एक की मौत

दुर्ग। जिले के भिलाई में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने रायपुर-भिलाई एनएच 56 में तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार जोन तीन खुर्सीपार में शर्मा आश्रम के पास रहने वाला गंगा सागर यादव (38) पुत्र जंगली यादव रविवार दोपहर एक बजे के करीब पावर हाउस चौक दुर्गा धर्म कांटा के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान ट्रेलर ने उसको अपनी चपेअ में ले लिया। तेज रफ्तार ट्रेलर ने गंगा सागर के अलावा दो और लोगों को भी अपनी चपेट में लिया जिसमें एक महिला थी। हादसे में ट्रेलर की टक्कर से महिला दूर जा गिरी, वहीं गंगा सागर ट्रेलर के नीचे आ गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने खुर्सीपार पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को उपचार के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने गंगा सागर को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल महिला की हालत गंभीर होने से उसे दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

कोयला खदान मजदूर संगठन ने की आंदोलन शुरू

कोरबा। सण्डे ड्यूटी में कटौती करने सहित कई मांगों को लेकर भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन ने आंदोलन शुरू कर दिया है। आज कुसमुण्डा के क्वारी नंबर 1 व 3 में नारे बाजी की गई। केटेगिरी 1 में कार्यरत कामगारों के सण्डे ड्यूटी में कटौती की जा रही है। इसी तरह खदान में बड़ रही चोरियों से कोयला कामगार परेशान है। उड़ रहे धूल से लोग बीमार पड़ रहे है। भारतीया कोयला खदान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टिकेश्वर राठौर, अमिया मिश्रा, हीरेंद्र चंद्रा ने प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के बाद भी कार्रवाई नहीं किये जाने पर आज से कोयला कामगारों ने आंदोलन शुरू कर दिया। क्वारी नंबर 1 व 3 में जाकर नारेबाजी की गई। इस दौरान टिकेश्वर राठौर के साथ अमिया मिश्रा, हीरेंद्र चंद्रा यशवंत साहू ,संदीप राजपूत, मोरध्वज भार्गव सहित अनेको कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। यह आंदोलन जब तक जारी रहेगा। तब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती है।

संयोजक से मिलकर पत्रकार संघ ने दिए सुझाव

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के दुर्ग क्षेत्र से सांसद और विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति के संयोजक विजय बघेल का कोरबा जिले में प्रवास चल रहा है। इस कड़ी में पिछले शाम कटघोरा नगर के धवईपुर में पहुंचे और लोगों से बातचीत की। पार्टी की नीतियों के बारे में जानकारी देने के साथ लोगों से यहां पर सुझाव प्राप्त किए गए। इस पर आगे विचार करने को कहा गया। इस दौरान श्रमजीवी पत्रकार संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने शशिकांत डिकसेना जिला अध्यक्ष के साथ उनसे भेंट की। पत्रकारों ने संसद की जानकारी में मुख्य रूप से इस बात को लाया कि पिछले 5 वर्ष के दौरान कटघोरा क्षेत्र में किसी प्रहार के विकास कार्य नहीं हुए हैं इसके चक्कर में लोगों ने महसूस किया है कि उनके साथ छलावा हुआ है पत्रकारों ने घोषणा पत्र समिति के संयोजक को सुझाव देने के साथ मांग रखी। कहा गया कि अगले चुनाव में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने का रास्ता प्रशस्त होता है तो कटघोरा में एक केंद्रीय विद्यालय, नर्सिंग कॉलेज और बहुपीक्षित पृथक जिला बनाने की मांग पर काम होना चाहिए। भाजपा सांसद से मिलकर भेंट करने के दौरान श्रमजीवी पत्रकार संघ की कटघोरा इकाई के सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

चन्द्रकुमार साहू ने केबिनेट मंत्रिओ से की मुलाक़ात

चंद्रकुमार साहू आजतक कोई भी चुनाव नहीं हारे है

चंद्रप्रकाश टोंडे की रिपोर्ट : केबिनेट कृषि मंत्री रविंद्र चौबे और डिप्टी सी एम टी एस बाबा जी से आज भाटापारा विधानसभा के विधायक प्रत्याशी दावेदार चन्द्रकुमार साहू ने भाटापारा से साथ आई जनता सहित मुलाकात की। आपको बता दे की चन्द्रकुमार साहू मुख्य मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज जी के करीब माने जाते है...इस दौरान कांग्रेस नेता चन्द्रकुमार साहू ने अपना चुनावी बायोडाटा प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और मंत्री टी एस बाबा, रविंद्र चौबे को सौपतें हुए भाटापारा विधानसभा से चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर की। साथ आए सतनामी समाज अध्यक्ष ने चन्द्रकुमार साहू के पक्ष में अपनी बात कही।प्रदेश अध्यक्ष को भाटापारा की जनता ने जानकारी देते हुए बताया चन्द्रकुमार साहू की विधानसभा में अच्छी पकड़ है, साथ ही साहू समाज के होने के कारण उनकी छवि भी साफ़ है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने चन्द्रकुमार साहू को विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाए जाने के लिए निवेदन किया।कुछ दिनों के भीतर ही संभावित 8 सितम्बर तक कांग्रेस की पहली विधायक प्रत्याशी की सूची आ सकती है, ऐसे में कयास लगाए जा रहे है इस बार पार्टी नए चेहरों को मौका देगी. अब देखना ये होगा किन विधानसभा में कांग्रेस नए प्रत्याशी उतारेगी।बता दें, भाटापारा विधानसभा से कांग्रेस

नेता व साहू समाज चंद्रकुमार साहू ने अपनी दावेदारी पेश करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष को अपना नाम दें चुके हैं। चन्द्रकुमार साहू ने बताया की अगर भाटापारा विधानसभा से मुझे टिकट देगी और मेरी जीत हुई तो सबसे पहले भाटापारा को जिला बनाने की प्रथम कार्य रहेगा..

भाटापारा विधानसभा को लेकर एक सर्वे के अनुसार यह कहा जा रहा है कि अगर सतनामी समाज, या साहू समाज से किसी भी को टिकट देगी तो जीत सुनिश्चित है ,, ऐसे में पार्टी नए चेहरे की तलाश कर रही है।. सूत्रों के अनुसार साफ़-सुधरे छवि को लेकर चन्द्रकुमार साहू को पार्टी टिकट दे सकती है, इसके पीछे कई कारण है, चन्द्रकुमार साहू लंबे समय से कांग्रेस से जुड़े है, बलौदाबाजार जिला उपाध्यक्ष, सुसाइटी अध्यक्ष पौसरी के रूप में दायित्व निभा रहे है, ऐसे में पार्टी उन्हें चन्द्रकुमार साहू के विकल्प के रूप में भाटापारा विधानसभा से चुनाव लड़ा सकती है। चंद्रकुमार साहू जी का बायोडाटा ग्राम पंचायत पौसरी के दो पंचवर्षीय निर्वाचित सरपंच रहा सन 1996से 2005 तक (2) कांग्रेस सदस्य 1996 से आज तक (3) श्री राधेश्याम शर्मा जी के चुनाव में सहयोग सन 1998(4) भाटापारा विधानसभा श्री चेतराम साहू जी के चुनाव में सहयोग 2003 (5) भाटापारा विधायक प्रतिनिधि श्री चैतराम साहू जी के सन 2003 में (6) सिमगा तहसील साहू समाज व्यापारी प्रकोष्ठ संघ कोषाध्यक्ष सन 2003 से 2005 तक(7) भाटापारा विधानसभा सीट चैतराम साहू जी के चुनाव में सहयोग 2008 (9) भाटापारा मंडी अध्यक्ष चुनाव में सहयोग (10) जनपद पंचायत चुनाव में सहयोग(11) जिला पंचायत चुनाव में सहयोग(12) सिमगा तहसील साहू संघ महामंत्री सन 2005 से 2010 तक (13) सिमगा तहसील साहू संघ. महामंत्री सन 2016से 2020 तक (14) बलौदा बाजार जिला कांग्रेस कमेटी महामंत्री सन 2018 से 2020 तक (15) भाटापारा विधानसभा का प्रभारी लोकसभा चुनाव में सन 2019 मे रहे(16) बलौदा बाजार जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष सन 2020 से वर्तमान तक (17) बलौदा बाजार जिला साहू संघ संगठन मंत्री वर्तमान में (18) पौसरी ग्रामीण सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष वर्तमान में है आपको बता दे की भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 70 हजार साहू समाज के मतदाता है.. एक और बड़ी बात चंद्र कुमार साहू जी ने आज तक कोई भी चुनाव नहीं हारा है, और सभी समाज से सहयोग समर्थन चंद कुमार साहू को मिल रहा है, भाटापारा विधानसभा के अन्य क्षेत्रीय पार्टी का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है

शिक्षा और चुनावी भागीदारी की दी जा रही जानकारी

आईटीआई के छात्रों को मतदाता

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार आज मास्टर ट्रेनर विपिन पाण्डेय, रामबरन सिंह एवं रमेश कुमार जायसवाल आई.टी.आई. प्राचार्य देव सिंह, और समस्त स्टॉफतथा विद्यार्थियों की उपस्थिति में आई.टी. आई. कॉलेज प्रेमनगर में मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें तहसीलदार प्रेमनगर श्रीमती मीना सिंह की गरिमामयी उपस्थिति व मार्गदर्शन रहा। सर्वप्रथम मास्टर ट्रेनरों द्वारा लोकतंत्र निर्वाचन प्रक्रिया के विषय में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया गया। 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले सभी विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के संबंध में बताया गया तथा नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी बताई गई व पात्र विद्यार्थियों से बी.एल.ओ. की उपस्थिति में प्रारूप- 6 में नाम जोड़ने के फॉर्म भराये गये, तत्पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा मतदाता, घुमते तीरों के निशान में पंक्ति बद्ध होकर निष्पक्ष मतदान के संबंध में तहसीलदार मीना सिंह के द्वारा शपथ दिलाई गयी। तत्पश्चात् हाथों में

मतदाता से संबंधी विभिन्न प्रकार के बैनर पोस्टर लेकर आई.टी.आई. प्रेमनगर से तहसील कार्यालय प्रेमनगर तक रैली निकाली गई। तहसील कार्यालय में तहसीलदार ने रैली को संबोधित करते हुए निष्पक्ष व निर्भिक मतदान करने का आह्वान किया। इस आयोजन में आई.टी.आई. के शिक्षक स्टॉफ संदीप स्वर्णकार, देवनारायण सिंह, आशीष कुशवाहा, संतोष यादव, हरि प्रसाद प्रजापति फूल सिंह आयम, उदेश कुमार, नंद कुमार, योगेश कुमार तथा बी.एल.ओ. फूलमती प्रेमनगर की सक्रिय सहभागिता रही।

क्षेत्र में एक बार फिर देखा गया बाघ, लोगों ने कहा - द टाइगर इज़ बैक

कुछ ही महीने पहले बाघ ने दो व्यक्तियों की ले ली थी जान

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर जिले के ओड़गी क्षेत्र में फिर से एक बार बाघ को देखा गया है. यह पूरा मामला ओड़गी विकास खंड अन्तर्गत पालदलौनी जंगल का बताया जा रहा है. बाघ को राहगीरों ने रविवार देर शाम लगभग 9 बजे पालदलौनी के जंगल में देखा. जिसे देखते ही कार में सवार व्यक्तियों ने मोबाइल के कैमरे पर विडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया. जिससे वन विभाग हरकत में आते हुए उस स्थल पर पहुंचा और उस रास्ते पर आने जाने वालों को सावधानी पूर्वक सफर करने हेतु हिदायत दिया गया. हालांकि क्षेत्र के लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो को देखते ही कहा - द टाइगर इज़ बैक. क्षेत्र के लोगों इसे इसीलिए कहा क्योंकि कुछ ही महीने पूर्व क्षेत्र में बाघ के हमले से दो व्यक्तियों की जान चली गई

थी और क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ था. ऐसे में एक बार फिर बाघ की आहट से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. हालांकि इस विडियो या फोटो पर वास्तव में बाघ ही या अन्य जंगली जानवर था उसकी पुष्टि नहीं हो पाई है.

किसानों की मेहनत पर फिर पानी फेरा हाथियों ने, रौंदी फसल

कोरबा। जिले के वन मंडल कटघोरा के केदई रेंज में हाथियो का उत्पात लगातार जारी है यहां के कोरबी सर्किल में ढाई दर्जन से अधिक हाथी विचरण कर रहे है। इन हाथियो ने आज लगातार दूसरे दिन पोड़ीखुर्द पंचायत तथा उसके आश्रित ग्राम खडफ़्ड़ी पारा में उत्पात मचाते हुए 12 से अधिक किसानों की धान की फसल को रौंद कर उनकी मेहनतो पर पानी फेर दिया हाथियो के इस उत्पात से संबंधित किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

कल भी हाथियो के दल में यहां कई एकड़ खेतो में लगे धान की फसल को तहस.नहस कर दिया था। हाथियो के लगातार दूसरे दिन खेतो में पहुंचकर उत्पात मचाए जाने से ग्रामीण दहशत में है। और सहमे हुए है हाथियो के उत्पात से सहमे ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी । जिस पर वन विभाग के अधिकारियों ने निर्देश पर वन अमला नुकसानी का आकलन करने पीड़ित गाव के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के निर्देश पर पोड़ीखुर्द पहुंचे अमले ने नुकसानी का आकलन शुरू कर दिया है। वन अमले के मुताबिक नुकसानी का वास्तविक पता सर्वे के बाद भी लगेगा। लेकिन प्रांरभिक तौर पर अनुमान लगाया जा रहा है कि हाथियो के ताजा उत्पात से ग्रामीणों को हजारों रूपए का नुकसान हुआ। जिसकी भरपाई के लिए वन विभाग प्रभावितों को क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करेगा सर्वे पश्चात इसकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाया जाएगा

नगरी। नगर व्यवस्था समिति नगरी की बैठक अध्यक्ष नंद यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से कमर छठ, कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। 5 सितम्बर 2023 को हलषष्ठी कमरछठ व्रत एवं पूजा दिनांक 6.92023 दिन बुधवार को कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर झूला एवं 24 घंटे का रामधुनी का आयोजन होना है ।संध्या 5:00 बजे से बजरंग चौक नगरी में दही लूट प्रतियोगिता एवं हंडी फोड़ स्पर्धा (महिला एवं पुरुष वर्ग) का आयोजन किया गया है। 7 सितम्बर 2023 दिन गुरुवार को विसर्जन प्रातः 10:00 बजे से यादव समाज नगरी के द्वारा

शोभा यात्रा भव्य झांकी के साथ किया जाना है। 7. 9.2023 को ही रात्रि 7:30 बजे सेकृष्ण लीला पर आधारित झांकी प्रतियोगिता का आयोजन राजा बड़ा नगरी में किया गया है 7 जिसमें प्रथम पुरस्कार 5001 रुपये द्वितीय पुरस्कार 3001 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 2001 रुपये प्रदान किया जाएगा । इस हेतु सम्पर्क नंद यादव 7697352571,प्रदीप जैन बंटी 9516370837 से कर अपना नाम दर्ज करा सकते है। 10 सितम्बर 2023 दिन रविवार को एतवारी शांति हवन पुजन हनुमान मंदिर महावीर पारा पुरानी बस्ती नगरी में संपन्न होना है । उपरोक्त सभी कार्यक्रम में नगरवासियों को अधिक अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील अध्यक्ष नंद यादव ने की है।

बैठक में सचिव प्रदीप जैन बंटी उपाध्यक्ष बृजलाल सार्वा होरी लाल पटेल सहसचिव दिनदयाल शरपा सुरेश साहू नरेन्द्र नाग हरिश सार्वा उत्तम गौर सेमंत पटेल सत्यम सोप योगेन्द्र गौर परशादी राम चंद्रेवशी नोहर साहू रामरतन साहू रवेन्द्र साहू मुलेश साहू तुला राम गौर सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कार्यकारिणी घोषित

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा की रिपोर्ट । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् सिमगा द्वारा इकाई बैठक व कार्यकारिणी घोषणा का कार्यक्रम सिमगा के महाविद्यालय के समीप भवन में आयोजित किया गया, विद्यार्थी परिषद ने अपनी नगर कार्यकारिणी की घोषणा की

इस कार्यक्रम में आगामी एक वर्ष का कार्यक्रम भी तय हुआ जिसमे सदस्यता , जिला अभ्यास वर्ग ,मिशन साहसी जैसे विभिन्न कार्यक्रम व साथ में पूर्व अध्यक्ष राम देवांगन व जिला संयोजक उदित भारद्वाज के द्वारा नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।जिसमें मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष के रूप में दीपक साहू , नगर मंत्री शेखर देवांगन, नगर सहमंत्री पोषण लाल साहू, प्रखर देवेंद्र भोसले, खुशी शुक्ला, नगर उपाध्यक्ष यामिनी शर्मा, शेखर साहू ,लखन जी रावत, कार्यालय मंत्री किशन यदू , सह कार्यालय मंत्री वेद प्रकाश, कोषाध्यक्ष दीपक वर्मा, सह प्रमुख - विक्रम साहूएन

एस एस प्रमुख कीर्तन दिवाकर, सह प्रमुख पूजा यादव, एसएफडी प्रमुख हर्ष तंम्बोली, सह प्रमुख -अजय साहू।

सोशल मीडिया प्रमुख - समीक्षा चौबे, सह सोशल मीडिया - करण साहु।

क्रीड़ा प्रमुख - बिना साहू

सह प्रमुख - मोनिका साहू

जनजाति प्रमुख दीक्षित ओगरे,

सह प्रमुख जया जोगी,

एसएफएस प्रमुख आशा भारती,

सह प्रमुख रीना सोनकर,

नगर महाविद्यालय प्रमुख प्रवीण निषाद , सह प्रमुख -अश्वनी साहू

महाविद्यालय छात्रा प्रमुख प्रिया शर्मा, आरती साहू,

नगर क्रीडा प्रमुख - बिना साहू सह प्रमुख -कविता रात्रे

छात्रावास प्रमुख खेलन साहू, सह प्रमुख - अनुष्का साहू

विद्यालय प्रमुख -

टिकेश्वरी साहू

, सह् प्रमुख् भुवनेश्वरी रात्रे

सम्पर्क प्रमुख -

तिलेश्वरी कुर्रे , सह प्रमुख - भूमिका निषाद

स्टडी सर्कल प्रमुख -

,देवकुमारी विश्वकर्मा, सह प्रमुख - लक्ष्मी

वर्मा , राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख -

खुशबू चौहान, सह् प्रमुख - पायल साहू ,

लंजा स्कूल प्रमुख -

पायल साहू, सह. प्रमुख प्रियंका साहू , ओरठी स्कूल प्रमुख

मीनाक्षी साहू , सह प्रमुख कल्याणी निषाद, कामता स्कूल प्रमुख -

मधु साहू , सह प्रमुख स्नेह लता साहू,

बंसकरा स्कूल प्रमुख -

डोमेश्वरी साहू, सह् प्रमुख तोमेश्वरी साहू,

दामाखेड़ा स्कूल प्रमुख -

आरती ध्रुव, सह प्रमुख मनीष वर्मा, कचलोन स्कूल प्रमुख - कामिनी साहू. सह प्रमुख - वर्षा सोनवानी , मसिक् बैठक प्रमुख -

उषा साहू, सह प्रमुख

पिंकी साहू

, दूरभास प्रमुख - वंदना यादव, सह प्रमुख -

रितु निषाद

नगर स्वच्छता प्रमुख -

पूर्णिमा साहू,

आपत्कालीन आपदा प्रमुख - पीतांबर निषाद, सह प्रमुख - हिमांशु देवांगन,

सहायता प्रमुख -

कोहिनूर साहू सह प्रमुख - संजना साहू

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व अध्यक्ष राम देवांगन ,जिला संयोजक उदित भारद्वाज , जिला सह संयोजक स्मृति चौबे ,अंकित ताम्रकार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पोषण लाल साहू , ओम पाटकर कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जी- 20 समिट के लिए मंगाई गईं लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें

दिल्ली, एमपीजेंएस न्यूज।

में 9-10 सितंबर को होने वाली जी-20 समिट के लिए केंद्र सरकार ने लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें मंगाई हैं। ये गाड़ियां बुलेट-प्रूफ होंगी और इनका इस्तेमाल विदेशी मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए किया जाएगा। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स CRPF के 450 जवानों को इन कारों को चलाने की ट्रेनिंग दी गई है।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने 41 विदेशी मेहमानों के लिए 60 से ज्यादा लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें खरीदी या किराए पर ली हैं। इनमें ऑडी, मर्सिडीज और CRPF जैसी लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं।

भारत में राइट हैंड ड्राइव गाड़ियां चलाने का प्रोटोकॉल है। इनमें स्टीयरिंग गाड़ी के राइट साइड में होता है। अमेरिका समेत कई देशों में लेफ्ट हैंड ड्राइव गाड़ियां चलाई जाती हैं। इनमें स्टीयरिंग गाड़ी के लेफ्ट साइड में होता है।

के ड्राइवर लेफ्ट हैंड ड्राइव कारों में विदेशी मेहमानों को होटल से मीटिंग वेन्यू तक लाएंगे

और वापस छोड़कर आएंगे। CRPF के ड्राइवर लेफ्ट हैंड ड्राइव कारों में विदेशी मेहमानों को होटल से मीटिंग वेन्यू तक लाएंगे और वापस छोड़कर आएंगे। (तस्वीर प्रतीकात्मक है)

त्र-20 समिट के लिए तैनात किए गए CRPF के 900 जवान

त्र-20 समिट के मेहमानों को सुरक्षा देने के लिए इन ड्राइवरों समेत CRPF के कुल 900 जवान तैनात किए गए हैं। इनमें से कुछ जवान पहले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप और नेशनल सिक्योरिटी गार्ड में भी काम कर चुके हैं।

विदेशी मेहमानों के रिश्तेदारों को सुरक्षा देने के लिए सशस्त्र सीमा बल के कमांडो तैनात किए गए हैं। दूसरी सेंट्रल आर्म्ड फोर्स जैसे- इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस CRPF, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स CRPF और हस्त के ब्लैक कैट कमांडो को रूट और वेन्यू की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। वे इसके लिए दिल्ली पुलिस के साथ कोऑर्डिनेट करेंगे।

CRPF की VIP सिक्योरिटी विंग में 6 हजार जवान हैं।

CRPF देश की सबसे बड़ी पैरामिलिट्री फोर्स है। इसमें 3 लाख 25 लाख जवान और अधिकारी हैं। इनकी स्पेशल ङ्कढ्ढक्क सिक्योरिटी विंग में 6 हजार जवान हैं। इनके पास 149 लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। इन लोगों में गृहमंत्री अमित शाह, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी शामिल हैं।

दिल्ली में जी-20 समिट से पहले लंगूर के कटआउट लगे-इनकी आवाज निकालने वाले एक्सपर्ट भी तैनात

दिल्ली में त्र-20 समिट के दौरान बंदरों को दूर रखने के लिए लंगूर के कटआउट लगाए गए हैं। हर कटआउट के साथ एक व्यक्ति को तैनात किया गया है, जो लंगूर की आवाज निकालने में एक्सपर्ट है।

दिल्ली में बंदरों की आबादी बहुत ज्यादा है। रिहायशी इलाकों के अलावा दफ्तरों और ऐतिहासिक स्थलों पर भी बंदर खुलेआम घूमते हैं। आए दिन आम लोग इनके हमले का शिकार होते हैं।

भूस्खलन की चपेट में आने से एक शख्स की मौत

पिथौरागढ़, एजेंसी।

तवाघाट राष्ट्रीय राजमार्ग के एलागा? के पास हिलवेज कंस्ट्रक्शन कंपनी की खराब जेसीबी मशीन को ठीक करने के दौरान शनिवार शाम अचानक पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। शनिवार शाम 35 साल के कमल सिंह चिफलतरा निवासी खराब जेसीबी मशीन को ठीक करने की कोशिश कर रहा था। अचानक पहाड़ी से हुए भूस्खलन में दबने से उसकी मौत हो गई। एक अन्य प्रकाश बहादुर नेपाल निवासी घायल हो गया। सूचना पर कोतवाल कुंवर सिंह रावत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।शव कर रेस्क्यू कर सीएचसी धारचूला के मोर्चरी में रखा गया है। धारचूला अस्पताल में घायल का उपचार चल रहा है।

शाही परिवार के धुर आलोचक मोहम्मद अल फायद का निधन

लंदन, एजेंसी।

मिस्र के अरबपति बिजनेसमैन मोहम्मद अल फयाद की इस सप्ताह की शुरुआत में 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। अल फयाद के ब्रिटेन स्थित परिवार ने शुक्रवार को उनकी मृत्यु की घोषणा करते हुए कहा कि व्यवसायी का 30 अगस्त को वृद्धावस्था में शांतिपूर्वक निधन हो गया। उनको लंदन की एक मस्जिद में अंतिम संस्कार के बाद उनके बेटे डोडी अल फायद के साथ दफनाया गया। मिस्त्र मूल के मोहम्मद अल फायद अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते थे और खासकर ब्रिटिश शाही परिवार के कट्टर आलोचक थे। बता दें कि साल 1997 में पेरिस में मोहम्मद अल फायद के बेटे डोडी फायद की ब्रिटेन की तत्कालीन राजुकमारी प्रिंसेस डायना के साथ सड़क हादसे में मौत हुई थी। उसके बाद से फायद ब्रिटिश शाही परिवार के तीखे आलोचक हो गए थे। फुलहैम क्लब ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि 30

अगस्त 2023 को मोहम्मद अल फायद का निधन हुआ। फायद साल 1970 में मिस्त्र से लंदन पहुंचे थे। लंदन आने के बाद फायद ने कई बड़े बिजनेस में निवेश किया और लंदन की उच्च वर्ग में अपनी पकड़ बना ली। पेरिस के रिट्ज होटल का मालिकाना हक भी चार दशकों तक मोहम्मद अल फायद के पास रहा। मोहम्मद अल फायद का नाम विवादों में भी खूब रहा और उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ब्रिटिश नागरिकता के लिए लड़ाई लड़ी। साल 1997 में जब पेरिस में एक कार हादसे में ब्रिटेन की राजकुमारी डायना के साथ उनके बेटे डोडी फायद की मौत हो गई तो मोहम्मद अल फायद मुखर होकर ब्रिटिश राजघराने की आलोचना करने लगे।

पाकिस्तान में जल्द होंगे चुनाव, चुनाव आयोग परिसीमन प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी कर लेगा

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान में शहबाज सरकार समय से पहले भंग हो गई, इसके बाद यहां 90 दिन के भीतर चुनाव होने हैं। लेकिन इतने में तो चुनाव होना संभव नहीं दिख रहा है। वहीं, पाकिस्तान के शीर्ष चुनावी निकाय ने शुक्रवार को घोषणा की कि जल्द से जल्द चुनाव सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को 30 नवंबर तक अंतिम रूप दिया जाएगा।

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। इसमें राजनीतिक

दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद परिसीमन प्रक्रिया की अवधि को कम करने का उद्देश्य बताया गया। ईसीपी ने एक बयान में कहा कि परिसीमन की समय सीमा कम करने का उद्देश्य जल्द से जल्द चुनाव कराना है।

ईसीपी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 14 दिसंबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर लेगी और उसके बाद चुनाव होंगे। परिसीमन की समय-सीमा को छोटा करने का निर्णय ईसीपी पर कई राजनीतिक दलों के बढ़ते दबाव के बीच आया है, जिन्होंने समय पर चुनाव के लिए दबाव डाला था।

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली भंग होने के 90 दिनों के भीतर आम चुनाव होने हैं, जिसे नौ अगस्त को सदन का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही भंग कर दिया गया था। ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि आम चुनाव में देरी हो सकती है, क्योंकि परिसीमन प्रक्रिया में करीब चार महीने लग सकते हैं। आयोग ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह 14 दिसंबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी कर लेगा और उसके बाद चुनाव होंगे।

बालासोर रेल हादसा, सीबीआई चार्जशीट में 3 अफसरों के नाम

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा के बालासोर में 2 जून को हुए रेल हादसे में सीबीआई की चार्जशीट में तीन रेलवे अफसरों के नाम हैं। तीनों पर गैर-इरादतन हत्या और सबूत मिटाने के आरोप हैं। इनमें सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता, सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान और टेक्नीशियन पप्पू कुमार शामिल हैं। 7 जुलाई को CBI ने तीनों आरोपियों को अरेस्ट किया था। 11 जुलाई को कोर्ट ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

रेल हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 1200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

तीनों आरोपी जानते थे कि उनकी लापरवाही से हादसा हो सकता है- CBI

CBI ने जुलाई में कहा था कि इन तीनों की लापरवाही के कारण ही हादसा हुआ था। जांच एजेंसी ने यह भी दावा किया था कि तीनों आरोपी जानते थे कि उनकी लापरवाही से ब?ा

हादसा हो सकता है।

दुर्घटना की जांच कर रहे रेलवे सुरक्षा आयुक्त CBI ने जुलाई के शुरुआती हफ्ते में हादसे के लिए सिग्नलिंग विभाग के कर्मचारियों की मानवीय भूल को जिम्मेदार ठहराया था।

बालासोर रेल हादसे की जांच अब पूरी हो चुकी है। यह भारत के सबसे बडे रेल हादसों में से एक है।

CBI ने भुवनेश्वर की स्पेशल कोर्ट में 24 अगस्त को अपनी रिपोर्ट पेश की। इसमें जांच एजेंसी ने बताया कि पटरी पर बिना अप्रूवल हो रहे मरम्मत कार्य की वजह से ट्रेन हादसा हुआ था।

इससे पहले बहनागा बाजार स्टेशन के लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 94 पर बिना मंजूरी के मरम्मत का काम किया गया था। CBI ने कहा कि सीनियर डिविजनल सिग्नल और टेलिकॉम इंजीनियर की मंजूरी के बिना ही वहां रिपेयरिंग वर्क हुआ था। इसके लिए सर्किट डायग्राम भी पास नहीं कराया गया था।

ऐसे हुआ था हादसा

2 जून की शाम को चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस मेन लाइन के बजाय लूप लाइन में घुस गई, जहां मालगाड़ी खडी थी। ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई। कोरोमंडल और मालगाड़ी की कुछ बोगियां बगल के ट्रैक पर बिखर गई। इसके थोड़ी देर बाद ही ट्रैक पर बिखरे डिब्बों से हावड़ा-बेंगलुरु एक्सप्रेस टकरा गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए।

CBI का दावा- हादसे की वजह सिग्नलिंग सिस्टम में खराबी

हादसे की जांच CBI के अलावा रेलवे बोर्ड की ओर से कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी CBI ने भी की है। 3 जुलाई को CBI ने 40 पेज की रिपोर्ट बोर्ड को सौंपी थी। इसके मुताबिक, लेवल-क्रॉसिंग लोकेशन बॉक्स के अंदर तारों की गलत लेबलिंग की वजह से ऑटोमेटेड सिग्नलिंग सिस्टम में गड़बडी हुई, जो हादसे का कारण बनी। क्रॉसिंग लोकेशन बॉक्स में तारों की गलत लेबलिंग के बारे में सालों तक मालूम ही नहीं चला। मेंटेनेंस के दौरान भी इसमें गड़बड़ी हुई।

चीन के पास दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना

सियोल, एजेंसी।

चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक बेड़ा का निर्माण किया है इसमें 340 से अधिक युद्धपोत शामिल हैं। साथ ही हाल तक इसे ग्रीन वाटर नेवी के रूप में माना जाता रहा है, जो ज्यादातर देश के तटों के पास काम करती है, लेकिन चीन के जहाज निर्माण से उसकी समुद्री महत्वाकांक्षाओं का पता चलता है।

हाल के वर्षों में चीन ने खुले समुद्र में काम करने और बीजिंग से हजारों मील दूर प्रोजेक्ट पावर की क्षमता वाले बड़े निर्देशित-मिसाइल विध्वंसक, जल और जमीन पर हमला करने वाले जहाज और विमान वाहक लॉन्च किए हैं। लेकिन वैश्विक पहुंच बनाए रखने के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी को अपने घर से दूर ईंधन भरने और अन्य प्रावधानों को पूरा करने के लिए उन समुद्री जहाजों के लिए स्थानों की आवश्यकता होगी।

वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज (एफडीडी) के नए विश्लेषण में कहा गया है कि बंदरगाह तक पहुंच के लिए बीजिंग के बढ़ते दबाव में कंबोडिया में एक नौसैनिक अड्डा बनाने में मदद करना और अफ्रीका के अटलांटिक तट तक सैन्य चौकियों के लिए अन्य संभावित स्थानों की तलाश करना शामिल है। इसे अर्जेंटीना, एफडीडी रिपोर्ट और क्यूबा जैसे स्थानों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के केंद्रों द्वारा बढ़ाया गया है, जो अंतरिक्ष की निगरानी और सैटेलाइट्स को ट्रैक करने से लेकर पश्चिमी देशों के संचार पर नजर रखने तक सब कुछ कर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन प्रयासों का उद्देश्य चीन की सैन्य पहुंच को बढ़ाना है, क्योंकि वर्तमान में हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर जिबूती में केवल एक परिचालन विदेशी नौसैनिक अड्डा है। जबकि चीन का कहना है कि जिबूती का नौसैनिक अड्डा अफ्रीका और पश्चिम एशिया में उसके समुद्री डकैती विरोधी और मानवीय मिशनों का समर्थन करता है। चीनी अधिकारियों ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि बीजिंग विदेश में ÷विस्तार या प्रभाव क्षेत्र नहीं चाहता है और उन्होंने विभिन्न दावों को खारिज कर दिया है कि वह उनकी भूमि पर विदेशी अड्डे स्थापित करने के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग कर रहा है। लेकिन एफडीडी ने अपने निष्कर्ष का समर्थन करने के लिए ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस और रिपोर्टिंग एकत्र की है, जिसमें कहा गया है कि चीन ज्यादा नौसैनिक चौकियों का निर्माण कर रहा है, जिसमें सैटेलाइट इमेजरी भी शामिल है जो कंबोडिया के पश्चिमी तट से थाईलैंड की खाड़ी तक फैले एक ठूंठदार प्रायद्वीप पर स्थित रीम नेवल बेस के उल्लेखनीय विकास को दर्शाती है।

रिपोर्ट में कहा गया है, पीएलए की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति और सीमित युद्ध सहित व्यापक स्तर के मिशनों को संचालित करने की क्षमता, अमेरिका और इंडो-पैसिफिक में उसके सहयोगियों के साथ-साथ अन्य ऑपरेशनल थिएटरों के लिए बड़े जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के लेखक और एफडीडी के वरिष्ठ सहयोगी क्रेग सिंगलटन ने कहा कि इन सबके बीच पीएलए अपनी गति को कम नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, अब सवाल यह है कि चीन अपनी अगली विदेशी सैन्य चौकी का निर्माण कब सुनिश्चित करेगा, नहीं करने को लेकर सवाल नहीं है। अमेरिकी मीडिया ने इसे लेकर टिप्पणी के लिए चीन के रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से संपर्क किया है।

भारत के साथ जेट इंजन निर्माण को अमेरिकी संसद ने दी मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी संसद ने जीई एरोस्पेस व हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड (एचएएल) की साझेदारी के तहत भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए इंजान निर्माण को हरी झंडे दे दी है। जीई व एचएएल के बीच इस आशय का समझौता जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान हुआ था। यह समझौता भारत व अमेरिका के बीच बढ़ती रक्षा साझेदारी का प्रतीक माना जाता है। इसमें हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-2 के लिए एफ-414 जेट इंजन का स्थानीय उत्पादन शामिल है।

करीब एक अरब डॉलर के इस समझौते में 80 प्रतिशत प्रौद्योगिकी

हस्तांतरण की शर्त शामिल है। माना जा रहा है कि इस समझौते से नए विमानों के लिए स्वदेशी सामग्री की उपलब्धता बढ़कर 75 प्रतिशत हो जाएगी। अनुमान है कि जीई एरोस्पेस के साथ अंतिम समझौते में 99 लड़ाकू विमानों (एफ-414) के इंजन का उत्पादन शामिल होगा। समझौते को इसी वत्तीय वर्ष में अंतिम रूप दिया जा सकता है, जबकि जेट इंजन के पहले बैच का उत्पादन में तीन साल लग सकते हैं।

जीई एरोस्पेस पिछले चार दशकों से भारत में मौजूद है। इस समझौते से कंपनी को भारत में बाजार बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे कंपनी को भारत में जेट इंजन तथा विमानन से जुड़े साजो-सामान के उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं उसकी सेवाओं का भी विस्तार होगा।

एफ-414 इंजन एफ-404 इंजन का विकसित रूप है, जो फिलहाल हल्के लड़ाकू विमान एमके-1 व एमके-1ए में प्रयुक्त हो रहा है। भारतीय वायुसेना फरवरी 2021 में 83 एमके-1ए लड़ाकू विमानों के लिए समझौता कर चुकी है। भारत कुल 123 एलएसी लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दे चुका है। इस इंजन से एमके-2 विमानों की क्षमता में भी इजाफा होगा

पांच जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में शनिवार को हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से बागेश्वर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, नैनीताल और चंपावत में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार पर्वतीय इलाकों में गर्जना और बिजली चमकने के साथ बारिश हो सकती है। हालांकि, मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

यात्रा के दूसरे चरण में क्षतिग्रस्त पैदल मार्ग ने बढ़ाई परेशानी, हाईवे पर भूस्खलन जोन बने खतरा उत्तराखंड में दस साल बाद अगस्त में सबसे कम बारिश हुई। महीनेभर में राज्य में बारिश का आंकड़ा सामान्य से आठ फीसदी कम रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है, बंगाल की खाड़ी में स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं बना। इसके चलते राज्य में कम बारिश हुई। इस साल मानसून ने पांच दिन की देरी से उत्तराखंड में दस्तक दी थी। हालांकि, प्रदेश के कुछ जिलों में जमकर बारिश हुई। जबकि, कुछ जिलों में बारिश का आंकड़ा सामान्य से कम रहा।

अमेरिका-द. कोरिया के बीच सैन्य अभ्यास से बौखलाया उत्तर कोरिया

सियोल, एजेंसी।

उत्तर कोरिया ने शनिवार तड़के कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट से समुद्र की ओर कई क्रूज मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, मसाइलें ऐसे वक्त दागी गई हैं, जब हाल ही में अमेरिका में दक्षिण कोरिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास संपन्न हुआ है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि

मिसाइलों दागने से जुड़ी जानकारियों का दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अधिकारी विश्लेषण कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर परमाणु हमले का पूर्वाभ्यास किया था। राज्य मीडिया ने बताया था कि प्योंगयांग ने पूरे दक्षिण कोरिया में लक्ष्य निर्धारित किए थे और हमलों का पूर्वाभ्यास किया था।

उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने दक्षिण कोरिया पर परमाणु हमले का पूर्वाभ्यास किया। वह युद्ध जैसी स्थिति में प्रतिद्वंद्वियों के क्षेत्र पर कब्जे का अभ्यास भी कर रहा है। प्योंगयांग ने यह भी बताया कि वह दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ संभावित युद्धों में उनका उपयोग कैसे करेगा। माना जा रहा है कि दक्षिण कोरिया और अमेरिकी सेना के बीच चल रहे सैन्य अभ्यास के विरोध में उत्तर कोरिया की ओर से ऐसे अभ्यास किए जा रहे हैं।

इस बीच प्योंगयांग द्वारा पिछले महीने एक अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्च किए जाने के जवाब में सियोल ने शुक्रवार को पांच उत्तर कोरियाई व्यक्तियों और एक कंपनी पर प्रतिबंधों की घोषणा की।

एसडीएम ने लिया यमुनोत्री में व्यवस्थाओं का जायजा

बड़कोट। उपजिलाधिकारी बड़कोट मुकेश रमोला ने यमुनोत्री धाम में यात्रा से संबंधी तैयारियों का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने 30 अगस्त तक यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग सहित धाम के आसपास एकत्रित कूड़े के निस्तारण के निर्देश दिए।

एसडीएम ने धाम की यात्रा तैयारियों को जायजा लिया। इससे पहले उन्होंने यमुना जी की विशेष पूजा-अर्चना की। उसके बाद उन्होंने यमुनोत्री धाम मंदिर समिति के पदाधिकारियों से यात्रा संबंधी समस्याओं की जानकारी ली। समिति के सचिव सुरेश उनियाल ने एसडीएम से यमुनोत्री धाम में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने की मांग की। एसडीएम ने बताया कि निरीक्षण के दौरान यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर कई स्थानों पर रेलिंग टूटी हुई मिली। साथ ही धाम और इसके आसपास नदी में चढ़ाए गए कपड़ों के ढेर और सफाई व्यवस्था में भी कमी पाई गई जिसको लेकर कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि 30 अगस्त तक पैदल मार्ग पर रैलिंग निर्माण पूरा कर दिया जाए।

इमरान खान की बढ़ रहीं मुश्किलें, पुलिस वकीलों को मुलाकात करने से रोक रही

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक तरफ जहां दावा किया जा रहा है कि उन्हें बहुत बुरे हालातों में जेल में रखा गया है। वहीं अब उनसे उनके वकीलों को नहीं मिलने दिया जा रहा। दरअसल, शुक्रवार को उनके वकील शीराज अहमद रांझा और गोहर अली उनसे मिलने जेल पहुंचे थे, जहा पुलिस ने रोक लिया। अटक जेल के अधिकारियों मे वकीलों को मुलाकात करने की अनुमति नहीं दी।

गोहर अली ने बताया कि

पीटीआई नेता की सजा निलंबित कर दी गई है और उन्हें सिफर मामले के सिलसिले में हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेशों के बावजूद खान से मिलने नहीं दिया जा रहा है। वहीं, रांझा ने कहा कि अदालत ने जेल अधिकारियों को आदेश दिया था कि वह पीटीआई प्रमुख और उनके बेटों के बीच फोन पर बात करने की अनुमति दी जाए। इसके बाद भी जेल अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं। वह बात करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। इपाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख का प्रतिनिधित्व करने वाली कानूनी टीम को कल खान की रिमांड की जानकारी और सिफर मामले का रिकॉर्ड पूर्व प्रधानमंत्री की कानूनी टीम को दिया गया था। बता दें, पीटीआई अध्यक्ष के वकील ने अदालत से सिफर केस रिकॉर्ड मांगा था।

चीन और हांगकांग में साओला तूफान से पहले दहशत में लोग

बिंजिग, एजेंसी।

भयानक तूफान साओला चीन और हांगकांग में भारी तबाही मचा सकता है. ऐसे में खतरे को देखते हुए दोनों देशों में सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दिया गया है. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टाइफून साओला 240 किमी/घंटे की रफ्तार क साथ चीन के गुआंगडोंग प्रांत की ओर बढ़ रहा है. शक्तिशाली तूफान के आगमन को देखते हुए स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है।

इसके साथ ही दोनों देशों के अधिकारियों ने तेज़ तूफ़ान की चेतावनी जारी की है।इसके साथ ही बाजार, स्कूल और अन्य यातायात को बंद करने का आदेश दिया गया है।रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक,तूफान की ताकत थोड़ी कमजोर जरूर हुई है, हालांकि तट से टकराने के बाद यह तूफान अपना रौद्र रूप दिखा सकता है।ऐसे में तबाही का खतरा अभी भी बना हुआ है।ऐसे में

एहतियातन सारे उपाय किए जा रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, करीब 200 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा साओला, हांगकांग और गुआंग्डोंग जैसे इलाकों को अपनी चपेट में ले सकता है।

पत्रकारों से बात करते हुए हांगकांग के मुख्य सचिव एरिक चैन ने कहा कि सभी स्कूलों को बंद कर देना चाहिए क्योंकि शुक्रवार को शक्तिशाली तूफान तट के पास आ रहा था।हांगकांग ने तूफ़ान को श्रेणी ञ्च3 नामित किया है।बता दें कि हांगकांग और गुआंग्डोंग से फिलहाल यह शक्तिशाली तूफान करीब 300 किलोमीटर की दूरी पर है और आज यानि 1 सितंबर को इस खतरनाक तूफान के तटीय इलाकों से टकराने का अनुमान है।ऐसे में यहां रहने वाले नागरिकों के लिए तमाम गाइडलाइन जारी किए गए हैं.

ज्वाइंट टाइफून वार्निंग सेंटर प्रोजेक्ट्स के बयान के अनुसार, चीन का दक्षिणी गुआंग्डोंग प्रांत रात तक टाइफून साओला से प्रभावित होगा। लेकिन जैसे-जैसे यह हांगकांग के करीब पहुंचेगा, तूफान कमजोर होकर श्रेणी 2 के तूफान में तब्दील हो जाएगा। फिलहाल यह श्रेणी 4 का तूफान बना हुआ है।खतरे को देखते हुए दक्षिणी चीन के इलाकों में लोगों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

तट से टकराने के बाद खतरनाक हो सकता है तूफान

बीते गुरुवार दोपहर करीब इसकी हवा की रफ्तार 209 किलोमीटर प्रति घंटे दर्ज की गई थी, जो तट से टकराने के बाद और भी बढ़ जाएगी।ऐसे में चीन और हांगकांग के लिए खतरा बढ़ सकता है।चीनी अधिकारियों ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यह 1949 के बाद से गुआंगडोंग में आने वाला पांचवा सबसे शक्तिशाली तूफान हो सकता है।

सार-समाचार

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु कांउसिलिंग 06 एवं 08 सितम्बर को

अशोक जैन की रिपोर्ट/ कांकेर :- जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 06 एवं 08 सितम्बर को काउंसिलिंग का आयोजन प्रातः 11 से 04 बजे तक पंडित विष्णु प्रसाद शर्मा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुर के खेल मैदान में किया जायेगा। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए शासन द्वारा जारी प्रवेश नीति के अनुसार आरक्षण नियमों का पालन करते हुए काउंसिलिंग हेतु सूची तैयार की गई है, जिसका अवलोकन जिले के वेबसाईट 222.ह्मड्डठ्ठद्मद्गह्म.द्दश1.द्बठ्ठ पर अपलोड किया गया है, इसके अलावा सभी एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कांकेर के सूचना पटल पर भी चस्पा किया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग के समय विद्यार्थी को जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति तथा निवास प्रमाण पत्र तथा वे विद्यार्थी जिनके माता पिता वामपंथी उग्रवाद, विद्रोह, कोविड से मृत्यु हुआ हो उनका प्रमाण पत्र, विधवाओं के बच्चों के लिए पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, दिव्यांग माता-पिता के बच्चों के लिए माता-पिता का दिव्यांग प्रमाण पत्र, दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांग प्रमाण पत्र और जिस विकासखण्ड में विद्यालय स्थित है, उस विकासखण्ड के शासकीय अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ सीईएस, एकलव्य विद्यालयों के स्टाफ के बच्चों के लिए आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है। आवेदन पत्र जो निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा।

चिरायु अंतर्गत चिन्हांकित बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण 06 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरहरपुर में

अशोक जैन की रिपोर्ट/ कांकेर- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत चि-?हांकित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार 06 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नरहरपुर में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर तथा रायपुर के बालाजी चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले के सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को उक्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में अपने विकासखण्ड के सभी चिन्हांकित बच्चों को अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए निर्देशित किया है।

फिजिक्स वाला 26 और शहरों में पीडब्ल्यू विद्यापीठ का शुभारंभ कर रहा

नईदिल्ली। फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) भारत में बड़े पैमाने पर शिक्षा को उदार बनाने वाला अग्रणी यूनिकॉर्न एड-टेक कंपनी है। यह भारत भर में तकनीक से सुसज्जित 26 नए ऑफ़लाइन सेंटर, पीडब्ल्यू विद्यापीठ की शुरुआत कर रहा है। पीडब्ल्यूएनएसएटी 2023 (फिजिक्स वाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से छात्रों के पास 100त्न तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का अवसर है। पीडब्ल्यूएनएसएटी के माध्यम से पीडब्ल्यू मेधावी छात्रों को 200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। परीक्षा ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी। यह कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के साथ ड्रॉपर्स के लिए भी उपलब्ध होगी, जो जेईई या नीट की तैयारी करने के इच्छुक हैं। पीडब्ल्यू एनएसएटी परीक्षा 1, 8 और 15 अक्टूबर 2023 को ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी और ऑनलाइन मोड में छात्र 1 से 15 अक्टूबर 2023 तक परीक्षा दे सकते हैं। परीक्षा के लिए पंजीकरण पीडब्ल्यू वेबसाइट, ऐप या निकटतम ऑफ़लाइन विद्यापीठ सेंटर पर 15 अक्टूबर, 2023 तक कराया जा सकता है। परीक्षा के परिणाम 20 अक्टूबर, 2023 को घोषित किए जाएंगे। इस शैक्षणिक सत्र के लिए क्लासेज़ अक्टूबर 2023 से शुरू होंगी। इस बीच, छात्र उनके शहर में शीघ्र खुल रहे विद्यापीठ सेंटर में स्थित सूचना केंद्रों पर जाकर प्रवेश, छात्रवृत्ति, पंजीकरण, पाठ्यक्रम, शुल्क, परामर्श और सम्बंधित अन्य जरूरी विषयों पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पीडब्ल्यू विद्यापीठ इस समय भारत के 38 शहरों में 67 सेंटर्स संचालित कर रहा है, जिसमें लगभग डेढ़ लाख छात्र हैं। फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) 26 और सेंटर खोलकर अपनी ऑफ़लाइन उपस्थिति का विस्तार कर रहा है। ऑफलाइन विद्यापीठ सेंटर्स एक विस्तृत पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं, जिसमें जेईई/नीट की तैयारी हेतु छात्रों को सीखने के लिए सभी आवश्यक चीजें शामिल हैं। फिजिक्स वाला लगातार उत्कृष्ट परिणाम देता रहा है। विद्यापीठ ऑफलाइन, पीडब्ल्यू के सीईओ अंकित गुप्ता ने कहा, कोविड के बाद शिक्षा का नया रूप विकसित हुआ है। छात्र अब ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सीखने का फायदा उठाना चाहते हैं। पीडब्ल्यू का दृढ़ विश्वास है कि हाइब्रिड दृष्टिकोण अपनाकर आगे बढ़ा जा सकता है। हम शहरों में तकनीकी-सक्षम ऑफ़लाइन विद्यापीठ सेंटर्स खोलकर छात्रों को उनके ही कस्बों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना चाहते हैं। जिससे उन्हें दूर दूसरे शहरों के शिक्षा केंद्रों में जाने की जरूरत न पड़े। हमारा लक्ष्य छात्रों को और अधिक सपोर्ट देना है।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक-2023

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का हुआ शुरूआत, जिले में चारों विकासखण्डों के 1200 खिलाड़ियों लेंगे हिस्सा

खेल को खेल भावना से खेलें बच्चे- सुश्री तुलिका कर्मा

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक-2023 जिला स्तरीय तीन दिवसीय पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में शुभारंभ हुआ। चारों विकासखण्ड के 1200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर आपने पारम्परिक खेल प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री तुलिका कर्मा ने मां दंतेश्वरी एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर जिला स्तरीय तीन दिवसीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरुआत की।

जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री तुलिका कर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि जिन खेलों को हम भूल चुके थे, वे छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से फिर से खेले जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि खेल को खेल भावना से खेलें बच्चे और अपनी प्रतिभाओं को दिखाए। खेल में हार जीत होता ही हैं इसे खेल भाव से खेलना चाहिए। तत्पश्चात सभी खिलाड़ियों को खेल के लिए शपथ भी दिलाया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भास्कर ने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक हमारी सांस्कृतिक पारंपरिक खेल है। साथ ही कहा कि खेल में खिलाड़ी बढ़चढ़ कर भाग ले रहे है।

जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन एवं अपर कलेक्टर संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल से हर आयु वर्ग के खिलाड़ी आपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक सीजन-1 में राज्य स्तरीय खेल में 34 खिलाड़ियों ने अपने जिले को जीत हासिल कर जिला का नाम रौशन किया था। इस तरह इसी सीजन में खिलाड़ियों को अपना प्रदर्शन अच्छे से करने के साथ खिलाड़ियों को संभाग स्तर और राज्य स्तरीय खेल खेलने की बधाई भी दी। आज जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधि, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ के द्वारा पिट्ठुल, गिल्ली-डंडा के खेल स्वयं खेल कर जिला स्तरीय खेल प्रारंभ किया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप विलुप्त हो रहे पारंपरिक खेलो को मंच दिया जा रहा है। जहां आज ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से लोग उभर कर अपनी खेल में प्रतिभा दिखाने आगे आ रहे हैं। आज ग्राम स्तर से शुरू हुआ यह खेल जिला स्तर तक पहुंचा है, जहां खिलाड़ियों ने विभिन्न स्तरों में जीत हासिल कर आज जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में अपना जौहर दिखाएंगे। जिला स्तर खेल के पहले दिन खिलाड़ियों ने प्रदेश के 16 पारंपरिक खेलों जैसे-गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगडी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बाटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लंबी कूद, रस्सी कूद और कुश्ती खेलों पर प्रतिस्पर्धा कराई जा रही है। खिलाड़ियों के बीच जीत हासिल करने का उत्साह दिख रहा है। इन खेलों में विजेता प्रतिभागी अब संभाग स्तरीय खेलों में अपना दमखम दिखाएंगे। इस दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, अन्य जनप्रतिनिधिगण, डिप्टी कलेक्टर श्री अरुण सोम, डिप्टी कलेक्टर मुकेश गोड़, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती कल्पना ध्रुव, सहायक संचालक पंचायत मिथिलेश किसान सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या बच्चे उपस्थित थे।

ई-जनचौपाल में 68 आवेदन प्राप्त, निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देश

अशोक जैन की रिपोर्ट

कांकेर :- जिले में प्रति सोमवार को ई-जनचौपाल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लोकप्रिय कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा लोगों की समस्या व षिकायतें सुनी जा रही है तथा उनका विधिवत निराकरण किया जा रहा है। आज आयोजित इस जनचौपाल में कलेक्टर ने जनपद कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा कांकेर विकासखण्ड के ग्रामीणों से जिला कार्यालय में प्रत्यक्ष मुलाकात कर उनकी समस्या व शिकायतों से अवगत हुए और समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

आज सोमवार को आयोजित ई-जनचौपाल में 68 आवेदन प्राप्त हुए तथा उसके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। ई-जनचौपाल में अंतागढ़ विकासखण्ड में 02, भानुप्रतापपुर विकासखण्ड से 07, चारामा विकासखण्ड से 03, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड से 01 और कोयलीबेड़ा (पखांजूर) विकासखण्ड से 02 लोगों ने जनपद कार्यालय में उपस्थित होकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा 53 व्यक्तियों द्वारा जिला कार्यालय में उपस्थित होकर कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला को अपनी समस्या से अवगत कराया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एस. अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ सुमीत अग्रवाल, विद्युत मंडल के कार्यपालन अभियंता सतीश किण्डो, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक सिनीवाली गोयल मौजूद थे।

कांकेर नंदनमरा पुल खराब होने के कारण कांकेर से भारी वाहनों का सरोना मुड़पार से नरहरपुर होते हुए धमतरी को वाहनों का आना जाना लगा हुवा हैं लेकिन नरहरपुर पुलिस थाना के सामने छोटी बड़ी भारी वाहन गुजर रही है लेकिन ह॥क्षमें यातायात के नाम पर पुलिस व्यवस्था नही है जबकि थाने के मुहाने से गाड़ियों का दबाव बना हुआ है

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का हुआ शुभारंभ

शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन

अशोक जैन रिपोर्ट

कांकेर :- जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023 का आज नगरपालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष श्रीमती सरोज ठाकुर के मुख्य आतिथ्य तथा छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री नितिन पोटाई, नगरपालिका परिषद कांकेर के पूर्व अध्यक्ष श्री जितेन्द्र ठाकुर एवं चमन साहू के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ किया गया। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर के खेल मैदान में आयोजित किया जा रहा है तथा प्रतियोगिता का समापन 06 सितम्बर को होगा।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती सरोज ठाकुर ने जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि पिछले वर्ष कांकेर जिले के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना जौहर दिखाया था तथा पुरस्कार जीते थे, उम्मीद है इस वर्ष भी खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांकेर जिले का नाम रोषन करेंगे। श्रीमती सरोज ठाकुर ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेष बघेल को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्षन करने की अपील की।

अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री नितिन पोटाई ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़िया खेल जो धीरे-धीरे विलुप्त होने के कगार पर था, उन्हें मुख्यमंत्री श्री भूपेष बघेल द्वारा पुनर्जीवित किया जाकर उभारने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए सरकार बधाई के पात्र हैं। श्री पोटाई ने कहा कि खेल से भी जीवन संवारा जा सकता है। सभी खिलाड़ी अपनी खेल का बेहतर प्रदर्षन करते हुए अपनी प्रतिभा को निखारें। इस क्षेत्र में भी रोजगार के अपार अवसर हैं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में नौकरियां भी प्रदान की जाती है। खेल के क्षेत्र में भी आप अपना भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्हांने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान कर रही है, आप सभी इसका फायदा उठायें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए अपील किया। प्रतिवेदन जिला खेल अधिकारी संजय जैन तथा आभार प्रदर्षन समाज कल्याण विभाग के उप संचालक कमलेष सिदार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी विरेन्द्र जायसवाल, जिला षिक्षा अधिकारी भुवन जैन सहित व्यायाम षिक्षक एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में मौजूद थे। मंच संचालन सुरेश चंद्र श्रीवास्तव एवं के.एन. गजबल्ला द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता छः स्तरों पर आयोजित किया जा रहा है, प्रथम राजीव युवा मितान क्लब स्तर, दूसरा जोन स्तर तथा उसके बाद विकासखण्ड/क्लस्टर स्तर के बाद जिला स्तर, तत्पश्चात संभाग स्तर एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी संभाग स्तर पर तथा संभाग स्तर के विजेता खिलाड़ी राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में शामिल होंगे। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में गिल्ली-डण्डा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बॉटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भौंरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, रस्सी कूद एवं कुष्ती इत्यादि खेलों को शामिल किया गया है।

1782 वृद्धजनों जो 60 वर्ष से अधिक हो गये है उनको सम्मानित किया गया : 2802 व्यक्ति यों मतदान के प्रति संकल्प भी दिलाया गया

जिले के सभी ग्राम पंचायत में ई.व्ही.एम.एवं वीवीपैट का किया जा रहा लगातार प्रदर्शन

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर)। आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत दंतेवाड़ा जिले में मतदाता जागरूकता के तहत 1728 वृद्धजनों जो 60 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं को किया गया सम्मानित। साथ ही 2802 व्यक्तियों मतदान के प्रति संकल्प भी दिलायी गयी है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार के निर्देशानुसार दंतेवाड़ा जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट का प्रदर्शन निरंतर जारी है, इस प्रदर्शन से जिले के आम नागरिकों को ई.व्ही.एम. में अपने मताधिकार के कार्य प्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त हो रही है। इस दौरान मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केंद्र में मतदाताओं को वोटिंग मशीन का बटन दबाकर वोट डालने का प्रयोग कराया जा रहा है। इससे सभी मतदान केंद्रों में ईव्हीएम वोटिंग मशीन का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। गौरतलब है कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप अंतर्गत प्रदर्शन में समावेशी, सुगम एवं सहभागी निर्वाचन के तहत वोटर वेरीफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल यानी वीवीपैट व्यवस्था के तहत वोट डालने के तुरंत बाद कागज की एक पर्ची बनती है। इस पर्ची पर जिस उम्मीदवार को वोट दिया है, उनका नाम और चुनाव चिन्ह छपा होता है। यह पर्ची वीवीपैट के स्क्रीन पर वोटर को 07 सेकेण्ड तक दिखने के पश्चात वीवीपैट के बॉक्स में कटकर गिरती है।

मतदाता जागरूकता के तहत खुटेपाल, हउरनार, बचेली, शासकीय हाई स्कूल बालपेट, पोटाकेबिन गुमड़ा, तुमकपाल सहित अन्य जगहों पर स्वीप कार्यक्रम के तहत रंगोली, चित्रकला, रैली निकालकर मतदान के प्रति शपथ भी ग्रहण किया गया। इसके अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केन्द्रों में बड़ी संख्या में लोग ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट मशीन के कार्य पद्धति के अवलोकन करने हेतु पहुंच रहे है। इसके अलावा जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केंद्रों में मोबाइल यूनिट से ई.व्ही.एम. एवं वीवीपैट का प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही मतदाता जागरूकता के तहत सभी स्कूल, आंगनबाड़ी एवं ग्राम पंचायत में रंगोली, निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

रायपुर। वाल्टियर गेट के पास गोलू चाय दुकान में तीन लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमर नायक 21 वर्ष श्रीनगर खमतराई का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी गोलू सोना, रोहित एवं रोहन ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अधेड़ पर धारदार हथियार से हमला

रायपुर। रामेश्वर नगर भनपुरी में तीन लोगों ने जबरन एक घर में प्रवेश कर अधेड़ पर धारदार हथियार से हमला कर खड़ी बाइक में आग लगा दिए। प्रार्थिया की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया अनीता सोनी 35 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी कुंदन मांझी, बाबू व दीपक वर्मा जबरन प्रार्थिया के घर प्रवेश किए और उसके लड़के के बारे में पूछे। जिसके बाद आरोपियों ने प्रार्थिया के पति राजेश सोनी से गाली-गलौज कर कर धारदार हथियार से मारकर चोट पहुंचाया। वहीं घर में खड़ी बाइक में आग लगा दिए। प्रार्थिया की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 452, 294, 506, 323, 427, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कंपनी के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर। उरला स्थित आरएस स्टील कंपनी के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी चंद्रकुमार ठाकरे 48 वर्ष प्रगतिनगर अछोली का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 07 एवाई 2858 को आरएस स्टी कंपनी के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से सायकिल सवार छात्रा की मौत

रायपुर। चंपारण नवापारा में एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सायकिल से जा रही लड़कियों को टक्कर मार दिया। जिससे एक लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका कुमारी गिरजा साहू 18 वर्ष चंपारण की रहने वाली है। बताया जाता है कि मृतिका अपने अन्य सहपाठियों के साथ सायकिल से स्कूल से घर जा रही थी, तभी एक तेज रफ्तार अर्टिका कार क्रमांक सीजी 04 एनजे 5539 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए कुमारी गिरजा व उसके सहपाठियों को टक्कर मार दिया। जिससे गिरजा की मौत हो गई। वहीं तामेश्वरी यादव, लाकेश्वरी साहू, पूनम साहू व विष्णु यादव गंभीर रूप से घायल है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक की गई जान

रायपुर। नेशनल हाइवे पेट्रोल पंप के पास ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक मनोज श्रीवास 25 वर्ष निवासी बागबाहरा और निलेश निषाद 23 वर्ष निवासी आरंग बाइक क्रमांक सीजी 06 जीक्यू 5348 से कहीं जा रहे थे। तभी नेशनल हाइवे स्थित पेट्रोल पंप के पास ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 04 जेडी 3133 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। इस हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

सरेआम शराब पीते दर्जनभर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेडियों के खिलाफअभियान चलाकर सरेआम शराब पीते दर्जन भर लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार खम्हारडीह पुलिस ने कचना तालाब के पार में शराब पीते आरोपी समीर भारती 21 वर्ष, दिलेंद्र साहू 25 वर्ष, रिखिराम सेन 30 वर्ष व गोवर्धन सेन 44 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

कमजोर वर्ग के समस्त लोगों को काफी राहत मिली

वन अधिकार मान्यता के क्रियान्वयन में देश में अव्वल छत्तीसगढ़-बघेल....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में वन अधिकार मान्यता अधिनियम का मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप प्रभावी और संवेदनशीलता के साथ क्रियान्वयन हो रहा है। इसके परिणाम स्वरूप राज्य में आदिवासी - वनवासियों सहित गरीब तथा कमजोर वर्ग के समस्त लोगों को काफी राहत मिली है, और उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। आम जन के सरोकार के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं वन संरक्षण की दृष्टि से यह वन अधिकार मान्यता पत्र अत्यंत ही महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। छत्तीसगढ़ में वन अधिकार मान्यता पत्र के संदर्भ में कुल 5 लाख 17 हजार 096 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र प्रदाय किये गये है। व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र प्रदाय करने में छत्तीसगढ़ राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। इसके अंतर्गत हितग्राहियों के समग्र विकास के लिए भूमि समतलीकरण, जल संसाधनों का विकास तथा क्लस्टर के माध्यम से

हितग्राहियों को अधिकाधिक लाभ के उद्देश्य से अनेक योजनाओं के माध्यम से मदद पहुंचाई गई है। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्हीं. श्रीनिवास राव से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें हितग्राहियों को वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य की जनहितकारी योजनाओं जैसे निजी भूमि पर बाईबेक गारंटी के साथ मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना, फसल विविधता को प्रोत्साहित करने के लिये धान के बदले अन्य रोपण हेतु प्रोत्साहन राशि का प्रावधान आदि से भी जोड़ा जा रहा है। इसके तहत भूमि विकास के फलस्वरूप प्रति हितग्राही कृषि उत्पादन बढ़ गया है और अनेक प्रकार के आय-मूलक फसलों (कैश क्रॉप) का उत्पादन भी उन क्षेत्रों में किया जा रहा है। जिसके कारण हितग्राहियों का आजीविका उन्नयन भी सुनिश्चित हुआ है। साथ ही साथ इससे वन सुरक्षा के प्रति जनता का सीधा सरोकार सामने आया है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे है। इसी तरह राज्य में सामुदायिक वन अधिकार अंतर्गत कुल 46000 प्रकरणों को मान्यता प्रदान की गई है, जो कि पुनः देश में सर्वाधिक है। इसके अंतर्गत वनांचलों में निवासरत जन समुदाय को विभिन्न प्रकार के निस्तार संबंधी अधिकार जैसे गौण वन उत्पाद संबंधी अधिकार मछली व अन्य जल उत्पाद तथा चारागाह अधिकार विशेष पिछड़ी जाति एवं समुदायों, कृषकों को आवास अधिकार, सभी वन ग्रामों पुराने रहवास क्षेत्रों, असर्वेक्षित ग्राम आदि को राजस्व ग्राम में बदलने के अधिकार, आदि शामिल है। इसके अलावा वनांचल क्षेत्र में पाये जाने वाले लघु वनोपज संग्रहण के लिये 67 प्रजातियों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है और इस वर्ष छ.ग. राज्य वन अधिकार मान्यता के प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा देश का 73 प्रतिशत लघु वनोपज का संग्रहण करने में सफलता प्राप्त की है। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में कुल 4306 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्यता पत्र प्रदाय किये गये है। वन संसाधन अधिकार के प्रबंधन हेतु मान्यता प्रदान करने में छत्तीसगढ़ राज्य देश का प्रथम राज्य है।

नर्मदा स्व-सहायता समूह में हो रहा है आय का प्रवाह

- औषधि प्रसंस्करण केन्द्र केंवची से सालाना 2700 मानव दिवस का रोजगार

रायपुर/ संवाददाता

केंवची का नर्मदा स्व सहायता समूह औषधीय प्रसंस्करण का काम करता है। यहां से यह समूह बिलासपुर, अम्बिकापुर, दुर्ग, रायपुर, कांकेर और बस्तर की संजीवनी को औषधियों की सप्लाई करता है। यह केन्द्र यहां फरवरी 2016 से कार्यरत है। केंवची मरवाही-वन मंडल के गौरेला परिक्षेत्र का एक गांव है। यहां प्रसंस्करण केन्द्र के सफल संचालन से नर्मदा स्व-सहायता समूह में आय का प्रवाह होने लगा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में राज्य में वन विभाग द्वारा लघु वनोपजों के संग्रहण के साथ-साथ प्रसंस्करण आदि कार्यो से संग्राहकों को अधिक से अधिक लाभ दिलाए जा रहे है। इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि फिलहाल नर्मदा स्व-सहायता समूह की आय की कहें तो इस केन्द्र से वन विभाग द्वारा 2700 मानव दिवस का सालाना रोजगार दिया जा रहा है। इसके अलावा 55-60 लोग जो जड़ी बूटियों के संग्रहण में लगे होते हैं, उन्हें भी बाजार नहीं खोजना पड़ता है। इस तरह औषधीय प्रसंस्करण केन्द्र केंवची से 2700 मानव दिवस के रोजगार का सृजन होता है। प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री अनिल राय ने बताया कि यह केन्द्र फरवरी 2016 से यहां संचालित है। यहाँ ब्राहमी, बहेड़ा, मेंहदी, रीण, बेलचूर्ण तुलसी, त्रिफला, अश्वगंधा, अमलकी, मुलेठी, कौंच, गिलोय, हर्रा, भृंगराज, शिकाकाई सफेदे मूसली शीतोपलादि सहित कुल 25 प्रकार की औषधियां तैयार की जाती हैं। ढेर सारी औषधियाँ तो हमारे स्थानीय जंगलों से संग्रहीत हो जाती हैं।

यूथ वोटर्स को जोड़ने के लिए स्वीप एसएसआर रैप- बाबा साहेब कंगाले

- नाम जुड़वाया क्या... एपिक बनवाया क्या' :देश में पहली बार छत्तीसगढ़ में प्रशासन की पहल
- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने किया लॉन्च

रायपुर/ संवाददाता

देश में पहली बार यूथ वोटर्स को जागरूक करने के लिए छत्तीसगढ़ में अनोखी पहल की गई है। यूथ में रैप सॉन्ग के क्रेज को देखते हुए कांकेर जिला प्रशासन ने एक रैप सॉन्ग तैयार किया है। जिसे 'स्वीप एसएसआर' रैप नाम दिया गया है। इसके जरिए नए वोटर्स को नाम जुड़वाने और एपिक कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। यूथ ज्यादातर सोशल मीडिया में एक्टिव रहते हैं, लिहाजा उनको इंस्टाग्राम, फेसबुक और वॉट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में ये रैप सॉन्ग सुनाई देगा। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने कांकेर जिला प्रशासन के इस 'स्वीप एसएसआर रैप' को लॉन्च किया है। इस दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निलेश क्षीरसागर और कांकेर जिले के स्वीप नोडल अधिकारी और जिला पंचायत के सीईओ सुमीत अग्रवाल मौजूद रहे। कांकेर जिला प्रशासन के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक 'स्वीप एसएसआर रैप' संभवतः पूरे देश में अपने प्रकार का पहला ऐसा रैप है, जो विशेष रूप से अभी चल रहे फोटो युक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बनाया गया है।

नई दिल्ली में भैरों मार्ग के पास एक स्थानीय ईएमयू ट्रेन के एक डिब्बे के पटरी से उतर जाने के बाद घटनास्थल पर रेलवे अधिकारी.

छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे खुशहाल-दीपक बैज

छत्तीसगढ़ के किसानों को देश में उसकी उपज की सबसे ज्यादा कीमत मिलती है

- भाजपा की मोदी सरकार आदतन किसान विरोधी

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा द्वारा किसानों के हित में घड़ियाली आंसू बहाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे ज्यादा खुशहाल है। छत्तीसगढ़ का किसान अपनी फसल की सबसे ज्यादा कीमत छत्तीसगढ़ में पाता है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार देश में अकेली ऐसी सरकार है जो

किसानों के धान को 2500 में खरीदने की गारंटी देती है और इस वर्ष तो 2640 रू. में किसानों का धान खरीदा गया। मोदी सरकार के द्वारा किसानों को धान के समर्थन मूल्य से अतिरिक्त भुगतान पर रोक लगाने के बाद भाजपा की किसान विरोधी चरित्र के काट के रूप में भूपेश बघेल सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू कर किसानों को 9000 और 10000 रू. प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी देना शुरू किया है। पिछले पांच साल में धान खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, कर्जमाफी के माध्यम से भूपेश सरकार ने किसानों के खाते में 1 लाख 70 हजार करोड़ रू. सीधे किसानों के खाते में डाला।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा आदतन किसान विरोधी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हर चुनाव में किसानों को बोनस के नाम पर धोखा दिया। 2100 में धान खरीदी का वायदा कर किसानों का वोट लिया लेकिन वायदा नहीं निभाया।

यात्रियों की फिर बढ़ी परेशानी, छत्तीसगढ़ से मध्य प्रदेश जाने वाली छह ट्रेनें रहेंगी रद

रायपुर। यात्रियों को फिर से रेलवे ने बड़ा झटका दिया है। रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत छह ट्रेनों को दस दिन तक के लिए रद कर दिया गया है। रेलवे ने इसके पीछे का कारण बधवाबारा रेलवे स्टेशन में नान इंटरलाकिंग का काम होना बताया है। दरअसल एक्सप्रेस ट्रेनों की लेटलतीफी से लंबे समय से जारी है। वहीं अनियमित तरीके से ट्रेनों के संचालन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रेलवे प्रशासन हर बार अलग-अलग कारण बताकर यात्री ट्रेनों को रद कर यात्रियों की परेशानी बढ़ाने का काम कर रही है। बिलासपुर, रायपुर रेल मंडल के बीच संचालित छह ट्रेनों के रद होने से मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों में जाने वाली यात्रियों फिर से परेशान होना पड़ेगा। ये सभी ट्रेनें बुधवार 30 अगस्त से नौ सितंबर तक रद रहेगी। यानि दस दिनों तक यात्री परेशान रहेंगे। रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि बधवाबारा रेलवे स्टेशन में नान इंटरलाकिंग का काम होने के कारण 31 अगस्त से आठ सितंबर तक बिलासपुर से रवाना होने वाली ट्रेन नंबर 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस।

संस्थान के छात्रों के लिए एक श्रृंखला में इंटरैक्टिव इवेंट्स का आयोजन किया गया

रायपुर। संवाददाता

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के एंटरप्रेन्योरशिप सेल द्वारा विगत दिनों 21 अगस्त 2023 से 25 अगस्त 2023 तक विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर संस्थान के छात्रों के लिए एक श्रृंखला में इंटरैक्टिव इवेंट्स का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के नवाचार और उद्यमिता फाउंडेशन के साथ मिलकर किया गया था। सभी इंटरैक्टिव इवेंट्स का आयोजन करियर डेवलपमेंट सेल (सीडीसी), के प्रमुख डॉ समीर बाजपेई और ई-सेल के फैकल्टी इन चार्ज डॉ. चंद्रकांत ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया था। इन इवेंट्स की श्रृंखला में विश्व उद्यमिता दिवस के मौके पर, 21 अगस्त को, एक वक्ता सत्र हर किसी के लिए उद्यमिता का आयोजन संस्थान के ई-हॉल में किया गया था, जिसमें क्या उद्यमिता हर किसी के लिए है? विषय पर चर्चा की गई 7 कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वीस्टेपयु के सह-संस्थापक मि. तरनबीर साहनी और मि. परमिंदर साहनी थे। इसके बाद 23 अगस्त को टीम ई-सेल द्वारा एक अन्य इवेंट का आयोजन किया गया था, जो उद्यमिता और अंतरिक्ष खोजों के विषयों पर केंद्रित रही । इस इवेंट में पोस्टर बनाने, निबंध लेखन और स्लोगन निर्माण में रुचिकर प्रतिस्पर्धाएँ शामिल रही।

शहर से लेकर आउटर तक अव्यवस्था

गांव की ओर जाने वाली सड़के अंधेरा घटना को दे रहा आमंत्रण

- सड़क के चौक-चौराहों में दिखा युवकों का गुट

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 2 युवतियों के साथ हुई रेप की वारदात के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था, आउटर के इलाकों का हाल समेत कई जानकारी के लिए दैनिक भास्कर ने ग्राउंड रिपोर्ट की। जिसमें जयस्तंभ चौक से आउटर इलाकों तक का जायजा लिया गया। रायपुर शहर से करीब 30 किलोमीटर में मौजूद मंदिर हसौद से आगे गोढ़ी गांव है। गांव के पास ही दुष्कर्म की वारदात हुई है। पुलिस ने इस केस में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आगे की कार्रवाई भी कर रही है। लेकिन भास्कर की टीम ने देर रात जब शहर का जायजा लिया तो सुरक्षा में कमी दिखी। हम ग्राउंड जीरो तक पहुंचने के लिए रात 10.30 बजे के करीब जयस्तंभ चौक से निकले। फिर वहां से मरीन ड्राइव होते हुए तेलीबांधा चौक पहुंचे। आगे बढ़ते हुए हमने लाभांडी का एरिया पार किया। फिर हम नया रायपुर की ओर जाने वाली सड़क को पार करते हुए मंदिर हसौद चौक पहुंचे। जहां मंदिर हसौद थाने के सामने से होते हुए वारदात वाले मोड़ पर पहुंचे। लेकिन उस दिन पेट्रोलिंग वाहन नहीं दिखा। इसके अलावा गांव की ओर जाने वाली सड़क में लाइट के इंतजाम भी न के बराबर थे। जिसके चलते वहां अंधेरा छाया हुआ था। हालांकि सड़क की हालत बेहतर थी। बीच-बीच में सड़क से एक्का दुक्का तेजी से गुजरती हुई कार भी दिखी। घटनास्थल से कुछ दूरी में आगे बढ़कर नाइट ड्यूटी में तैनात रिम्स अस्पताल के गार्ड से बात की गई। तो उन्होंने बताया कि ये पूरा सुनसान इलाका है। परिसर के अंदर ही

कर्मचारियों और मरीजों को सब सुविधाएं मुहैया करवाई गई है। जिसके कारण यहां लोगों को देर रात बाहर निकलने की जरूरत नहीं होती। रात में ज्यादातर बस एम्बुलेंस की गाड़ियां ही आना जाना करती हैं। फिर वहां से करीब 1 किलोमीटर दूर हम गोढ़ी गांव तक पहुंचे। रात के 12.30 बजे के करीब गांव के कुछ घरों की आंगन की लाइटें जल रही थी। गली में किसी तरह की कोई हलचल नही थी। बीच-बीच में कुछ जानवरों की बस आवाज आ रही थी। गांव के मुख्य चौराहे में कुछ देर खड़े रहे, लेकिन कोई नजर नहीं आया। यहां तक कि गांव की सुरक्षा में तैनात कोई कोटवार या अन्य सुरक्षा भी नहीं दिखी। तेलीबांधा से लेकर मंदिर हसौद तक नेशनल हाइवे में करीब एक दर्जन ढ़ाबे स्थित है। जिसमें ढाबों के बाहर कई युवकों का ग्रुप दिखा। वे आपस में मौज-मस्ती करते नजर आए। अक्सर इसी तरह युवकों का ग्रुप गांव के आउटर में स्थित तालाबों के आसपास, खेत के मेढ़ में अंधेरा होते ही नजर आता है। इन असामाजिक तत्वों का ये एक पंसदीदा ठिकाना होता है। हालांकि बीतीं रात हमें उस गांव के आसपास ऐसा कोई ऐसा गैंग नजर नहीं आया। जायजा लेकर हम फिर शहर की ओर लौट आए। इस मामले पर रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि पुलिस थानों में नाइट पेट्रोलिंग दल पूरी तरह एक्टिव है। हर रोज शहर के आउटर और चेक पॉइंट में व्यक्तियों और वाहनों की जांच हो रही है। इसके अलावा ढाबा, शराब दुकानों के आसपास और सुनसान इलाकों में भी 112 की टीम मौजूद रहती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी, दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी, दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com